



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1980 (भाद्रा ८, 1902)

No. 35]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1980 (BHADRA 8, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अस्तम संस्करण के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महानेतापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संस्करण और अधीन काबलियों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० ए० 12018/1/79-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक श्री के० सुन्दरम, को 30-6-1980 से तीन मास की अवधि के लिए अध्यक्ष आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हों, स्थानान्तरण, प्रतिनियुक्ति पर अध्यक्ष के विशेष सहायक के पद पर तदर्थं ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अध्यक्ष के विशेष सहायक के संवर्ग वाले पद पर श्री के० सुन्दरम प्रतिनियुक्ति पर रहेंगे और उनका वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग के समय समय पर संशोधित का० जा० सं० एफ० 10(24)-ई०-III/60, दिनांक 4-5-1961 में सन्निहित उप-बंधों के अनुसार विनियमित होता।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव

हृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

महानेता

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० ए-19821/1/78-प्रशा०-5—भी एम० तुमसंगा, सारतीय पुस्तक सेवा (1969-प्राचिम वर्षास) ने दिनांक 2-6-80 के प्रकाश वें पुस्तक सभीक्षक, सहायक मिदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुस्तक स्वाक्षर के पद का कार्यभार त्याग दिया। उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई।

की० ला० गोवर

प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिरीक्षक वा कार्यालय

केन्द्रीय ग्रामेश्वर बुरका बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—विशाखापत्तनम से स्थानान्तरित होने पर श्री के० एस० लुके ने 11 जुलाई, 1980

के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० यूनिट, सी० पी० डी० कोचीन के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—दुर्गपुर को स्थानान्तरित होने पर श्री एच० एस० प्रसाद ने 19 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, एफ० सी० प्राई० (एफ० एस० डी०), डिग्राकार्स के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—कोचीन से स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० बालाकृष्णन पिल्लै ने श्री के० और० सी० नायर के स्थान पर 9 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, फ्लैट, उद्दोग मण्डल के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया तथा श्री नायर ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—कलकत्ता को स्थानान्तरित होने पर श्री बी० लूहस राज ने 21 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, एम० ए० पी० पी०, कलपक्षम के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/8/80-कार्मिक—राउरकेला को स्थानान्तरित होने पर श्री एन० के० सेन ने 16 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, बी० आई० एल० भिलाई के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-31013(3)/1/80-कार्मिक—तदर्थं प्रांधार पर लेखाचिकारी नियुक्त होने पर, श्री एस० एस० नेगी ने 24 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—फरक्का से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० बी० चौधरी ने 12 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० एफ० पी० डी० आई० एल० मिन्दी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—सुली (नागालैण्ड) से स्थानान्तरित होने पर श्री एस० एस० बोस ने 17 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से, पूर्वी थोने मुख्यालय कलकत्ता, के सहायक कमांडेंट (क० प्र० औ०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर श्री एच० बी० चतुर्वेदी ने 16 जुलाई, 1980 से पूर्वान्त से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व (उ० व० प० थेन्वे), के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—पारादीप को स्थानान्तरित होने पर श्री य० पी० बेहरा ने 12 जुलाई, 1980 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—मद्रास को स्थानान्तरित होने पर श्री ए० के० सेन गुप्ता ने 15 जुलाई, 1980

के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—राउरकेला को स्थानान्तरित होने पर श्री बाई० पी० जोगेवार ने 14 जुलाई, 1980, के अपराह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट, एस० पी० प्र० दुर्गपुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ई-38013(3)/9/80-कार्मिक—सिन्दी में स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० बी० चौधरी ने दिनांक 2 जुलाई, 1980 के अपराह्न से एफ० बी० पी० फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

द० अपठनीय
महानिरीक्षक
के० औ० सु० ब०

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० 11/126/79-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, असम सिविल सेवा के अधिकारी श्री भोला नाथ शर्मा को असम, गोहाटी में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 2 जुलाई, 1980 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, उप निवेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री शर्मा का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० सरकार को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निवेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सरकार का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० घोष को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 9 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निवेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री घोष का मुख्यालय हावड़ा में होगा।

सं० 11/11/80-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा के अधिकारी श्री बी० एन० चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निवेशालय में तारीख 11 जुलाई, 1980 के पूर्वान्त से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति

पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेश जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती का मुख्यालय बद्वान में होगा।

सं० 11/29/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, उड़ीसा प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री नरेश चन्द्र दत्त को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेश जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दत्त का मुख्यालय कटक में होगा।

सं० 11/53/80-प्रशा०-1—तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री टी० बी० श्रीनिवासन ने तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से उप जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में उप सचिव के पद कपर कार्यरत श्री टी० बी० श्रीनिवासन को, तमिलनाडु मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में उप जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री श्रीनिवासन का मुख्यालय मद्रास में होगा।

सं० 11/53/80-प्रशा०-1—तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ए० पी० मुथुस्वामी, ने, तमिलनाडु में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, तमिलनाडु सरकार के लोक (जनगणना) विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत श्री ए० पी० मुथुस्वामी को, तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 18 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न में, अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री मुथुस्वामी का मुख्यालय मद्रास में होगा।

दिनांक 6 अगस्त 1980

सं० 11/56/80-प्रशा०-1—आंध्र प्रदेश सरकार वे सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त सचिव (जनगणना) के

पद पर नियुक्ति के परिणाम स्वरूप श्री एस० एस० जयाराव ने, आंध्र प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 23 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से, जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

2. राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग में संयुक्त सचिव (जनगणना) के पद पर कार्यरत श्री एस० एस० जया राव को, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 23 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, पदेन क्षमता में, जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री जया राव का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

सं० 11/124/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, त्रिपुरा सरकार के आंध्रिक एवं सांख्यकीय व्यूरो में उप निदेशक के पद पर कार्यरत श्री एम० आर० सूद को सिक्किम, गंगटोक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 1 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, पदेन उप जनगणना कार्य निदेशक के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सूद का मुख्यालय गंगटोक में होगा।

तारीख 8 अगस्त 1080

सं० पी०/पी० (35)—प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय के तारीख 22 अप्रैल, 1980 की समसंबंधिक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत निवाचित आयोग सचिवालय के हिन्दी अनुवादक, श्री के० एन० पन्त की नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्श नियुक्ति की अवधि को 31 दिसम्बर, 1980 तक या जब तक यह पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, विद्यमान शर्तों के प्रमुखार सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 11/125/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एल० के० चतुर्वेदी को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 19 मई, 1980 के पूर्वाह्न से, अगले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री चतुर्वेदी का मुख्यालय उदयपुर में होगा।

3. यह अधिसूचना इस कार्यालय की तारीख 17 जून, 1980 की समसंबंधिक अधिसूचना को अधिकान्त करके जारी की जाती है।

सं० 11/125/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एन० के० भारव को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 13 मई,

1980 के पूर्वाह्न से, अपले आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनरलस कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करदे हैं।

2. श्री भारत का मुख्यमन्त्री जानेर वे होता।

3. इस कार्यालय के नामांक 27 मई, 1980 के सम-संबंधक को अस्तित्व करने वाले हैं।

पृ० ० अध्यनाथ
संसद के महापंजीकार

भारतीय सेवा परिषद सेवा लेखा किसान
महालेखाकार अधीकारी, आंध्र प्रदेश
हैदराबाद, दिनांक ८ अगस्त १९८०

सं० प्रशा०-१/८-१३२/८०-८१/१८९—श्री एस० ए० एम० नक्ती, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय, आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-7-1980 अपराह्न।

सं० प्रशा० /८-१३२/८०-८१/१८९—श्री वि० यन० वेंकट वेंकटसुब्रह्मण्यम, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-८-१९८० अपराह्न।

सं० प्रशा० १/८-१३२/८०-८१/१८९—श्री वि० एन० वेंकट सुब्रह्मण्यम लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-८-१९८० अपराह्न।

सं० प्रशा० १/८-१३२/८०-८१/१८९—श्री के० एस० सुकृष्णाध्यम लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-८-१९८० अपराह्न।

सं० प्रशा० १/८-१३२/८०-८१/१८९—श्री वि० कृष्ण राव, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-८-१९८० अपराह्न।

सं० प्रशा० १/८-१३२/८०-८१/१८९—श्री के० वि० एन० अवधानि, लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय आंध्र प्रदेश I/II सेवा से निवृत्त हुए दिनांक 31-८-१९८० अपराह्न।

एन० सुकुमारन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगल
कलकत्ता, दिनांक 23 अप्रैल, 1980

सं० एल० ए०/ प्रशा०/११—मूल नियम 31(1) के नीचे “प्रगलाननिचला” कानून के अनुसार विहित प्रोप्रति सम्प्रकृति पूर्व-शर्तों पूरी होने पर भी तुलसी वरण बैनर्जी को जोकि इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी

हैं और इस समय प० बंगल सरकार के शिक्षा विभाग में प्रतिनियुक्ति पर हैं, उनके मूल कार्यालय में 1-4-80 के पूर्वाह्न से, जिस दिन से उनके ठीक कनिष्ठ श्री उपराजन ठाकुर अपना कार्यभार संभालते हैं, अप्से अद्वेश तक स्थानान्पत्र सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, के पद पर तदर्थ तथा अस्थाई रूप से रु० 840-40-1000 यो० धा०-1200 के वेतन क्रम पर विहित प्रोप्रति मंजूर की जाती है।

यह साफ तौर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोप्रति कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमे में विनियम की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थाई रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध किये गये 1979 के सी० आर० केस नं० 148 १व (डब्ल्यू) के अंतिम फैसले के अधीन है।

दिनांक 9 जून, 1980

सं० एल० ए० ६०२—महालेखाकार-विशेषज्ञ, पश्चिम बंगल, निम्नलिखित स्थाई और स्थानान्पत्र अनुभाग अधिकारियों को तदर्थ और अनन्तिम रूप से सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा पश्चिम बंगल के पद पर बिल्कुल अस्थाई रूप से ९-८-८० पूर्वाह्न यह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्त करते हैं।

1. श्री सत्यनाथ दत्त
2. श्री विभूति भूषण दास (१)
3. श्री मनमथ नाथ मंडल (प० जा०)

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि यह प्रोप्रति कलकत्ता उच्चतम न्यायालय के एक मुकदमे में विनियम की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थाई रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किये गये 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (एन) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

उल्लिखित सभी तदर्थ प्रोप्रतियां भारत के उच्चतम न्यायालय की 1973 के सिविल अपील सं० 1584 और 1979 के सिविल अपील सं० 2104-2105 (एन) के अन्तिम अन्तिम अधिकार पर निर्भीत है।

वि० एन० दत्त जीधुरी
स्थानीय लेखा परीक्षक

श्रम मंत्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय
बम्बई, दिनांक 8 अगस्त, 1980

सं० 15/22/79-स्थाना—महानिदेशक ने श्री एन० रवीन्द्रनाथन को इस कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान

केन्द्र महानिदेशालय में, उत्पादिता अधिकारी (सांख्यकीय) के पद पर दिनांक 15 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश लक अस्थाई रूप में नियुक्त करता है।

ज्ञ० एस० एस० रामस्वामी
उप महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1980
आयात-नियंत्रित अपार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/873/69-प्रश्ना० (राज०)/4817—संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के कार्यालय, बम्बई में श्री एम० एम० सोलंकी नियंत्रक, आयात-नियंत्रित को 10-6-1980 (बोपहर पूर्व) से स्वेच्छापूर्वक सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी गई थी।

श्री० सी० भट्टनागर
उप-मुख्य नियंत्रक
आयात नियंत्रित

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1980

शुद्धि-पत्र

सं० ए०-32013/2/80-व्यवस्था अनुभाग (क)—
श्री वी० कृष्णस्वामी आयंगर की बुनकर सेवा केन्द्र मद्रास में निदेशक (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्ति के संबंध में इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए०-32013/2/80-व्यवस्था अनुभाग II (क) दिनांक 28 जून, 1980 की दूसरी पंक्ति में “7 जून 1980 पूर्वाह्न” को “7 जून 1980 अप्राह्न” पढ़ा जाए।

दिनांक 1 अगस्त 1980

सं० ए० 12025(1)/2/80-व्यवस्था अनुभाग (क)—
राष्ट्रपति, श्री डोनीपार्क जयरमेथा को 10 मई 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान, सेलम में बरिष्ठ प्राध्यापक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एन० पी० शेषाद्री
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

इस्पात और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर, दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० 19012/(128) 80-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एच० वी० नागराज स्थायी बरिष्ठ तकनीकी सहायक (खनन इंजीनियरिंग) को दिनांक 10 जुलाई, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वर्ग “ब” के पद पर स्थानापन्न सहायक खनन अभियंता के रूप में पदोन्नति प्रदान की जाती है।

एस० वी० अली
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 अगस्त 1980

सं० सी०-5646/579-ए०—निम्नलिखित अधिकारी, जो सहायक भांडार अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी”) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे, अब 6 अप्रैल, 1980 से अपने पदों पर स्थायी किये जाते हैं:—

1. श्री वी० वी० नहला
2. श्री नारायण पुष्पिया कोटी
3. श्री महेन्द्र सिंह
4. श्री सांवलिया सहाय
5. श्री टी० आर० सी० रेड्डी
6. श्री सी० एल० कर्नोजी
7. श्री रवेल सिंह
8. श्री जे० आर० ग्रोवर
9. श्री पुकर मिह

दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० सी० 5647/718-ए०—श्री एम० राज०, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय 26 मई, 1980 (अपराह्न) से दक्षिण पूर्वी सर्किल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, भवनेश्वर में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप “बी०”) के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर रथानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

सं० सी० 5648/718-ए०—श्री ए० वी० सरकार, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय (इस समय

मैप क्यूरेटर के पद पर प्रतिनियुक्त) 13 जून, 1980 (अपराह्न) से श्री राम लाल, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर, पूर्वी संकाल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी०") के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के बेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

क० एल० खोसला
मंजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
(फिल्म प्रभाग)
बम्बई-26, दिनांक 24 जुलाई 1980

सं० ए० 12026/4/77—सीबन्दी-3—श्री एम० एम० वैद्य ने जो इण्डो अफगानिस्तान सांस्कृतिक विद्यमय कार्यक्रम 1975-76 के अनुसार अफगानिस्तान में एक्सपर्ट सिनेमॉ-टोग्राफर के पद पर डेप्युटेशन पर गये थे, दिनांक 14-7-80 के पूर्वाह्न से मुख्य कैमरामैन, फिल्म प्रभाग, बम्बई के पद का कार्यभार लेने के कारण श्री बी० खोसला, उसी दिनांक से स्थायी कैमरामैन के पद पर प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

नरेन्द्र नाथ शर्मा
सहायक प्रशासकीय अधिकारी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/23/79 (एन० एम० ई० पी०) /प्रशा०-1—राष्ट्रपति ने श्री क० एच० कनीनिया को 31 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उम्मूलन कार्यक्रम निदेशालय में सहायक निदेशक (कोट विज्ञान) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 19020/23/76 (जे०आई० पी०) प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती निमेला बेन्कटेश्वरन वरिष्ठ व्यावसायिक चिकित्सक, जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी का त्यागपत्र 29 मार्च, 1980 अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 8 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/30/76-जिप/प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने श्री जी० रामलिंगम को जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में सांख्यकीय एवं जनसंख्या विज्ञान के लेक्चरर के पद पर 26 मार्च, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 33-12/75-प्रशासन-I—फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर अपना परिवर्तन हो जाने के फलस्वरूप श्रीमती एस० मेहरोत्रा ने 27 मार्च, 1979 अपराह्न से सफवरणग अस्पताल, नई दिल्ली से वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

संगत मिहू

उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुणिनिर्माण मंत्रालय
नियन्त्रण एवं निरीक्षण निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 19025/20/80 प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री कमल चक्रवर्ती को इस निदेशालय के अधीन कलकत्ता में तारीख 26-6-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होते तक स्थानापन्न सहायक विषयन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
क्रय और भंडार निदेशालय
बम्बई-400001, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 23/4/79-इस्टे/13348—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री डी० वाय॒ शिनून को भवकाश स्वीकृत होने के कारण इस निदेशालय के स्थायी क्रय सहायक शंकर गोपाल जामसंडेकर को स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी पद पर पदे 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो० 40-1200 के बेतन क्रम में दिनांक 21-6-80 अपराह्न से 19-7-80 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपालकृष्णन
सहायक कामिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
हैदराबाद-500762, दिनांक 2 अगस्त 1980

सं० ना ई स/का प्र भ/0704/5335—अधिसूचना सं० ना ई स/का प्र भ/0704/4515 दिनांक 30-6-1980 के क्रम में नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने अस्थायी औद्योगिक प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री पी० राजगोपालन का नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 10-7-1980 से 10-8-1980 पर्यन्त अथवा अगले आदेशों तक के लिए जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न सहायक कामिकाधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

प० श्री रा० मूर्ति
प्रशासनिक अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

कोटा, दिनांक 4 अगस्त 1980

सं० राष्ट्रीय/09002/जी/(855)/80/स्थ/110—मुख्य परियोजना इंजीनियर राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना, श्री एस० नागराजन, स्थाई वैशानिक सहायक "सी" और स्थानापन्न वैशानिक अधिकारी इंजीनियर ग्रेड-एस बी० का त्यागपत्र 5 जुलाई, 1980 अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

गोपाल सिंह
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० प्रब्र-8(6)/80-भर्ती—इस कार्यालय की तारीख 27 मई, 1980 की समसंबंधीक अधिसूचना के क्रम में, परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के शिन्दी अनुबादक श्री सोमनाथ सचदेव को उसी प्रभाग में श्री मुकन्द सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी जिनको अपनी छुट्टी बढ़ाने की अनुमति दी गई है, के स्थान पर तारीख 14-6-1980 से लेकर 7-7-1980 (अपराह्न) तक की अवधि के लिए पूर्णाया अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राध
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 8 मई 1980

सं० टी० ए० पी० एस०/3/2/(4)/80-आर—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग तारापुर परमाणु बिजली घर में अस्थायी प्रबन्धक (हास्टल) श्री एन० जी० मलकानी को दिनांक 1 मार्च, 1977 से तारापुर परमाणु बिजलीघर में प्रबन्धक (हास्टल) के स्थायी पद पर रु 650-30-740-35-880-द० रु०-40-960 के वेतनक्रम में मूल क्षमता से नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपकम, दिनांक 21 जुलाई 1980

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/3357/80-8850—आंध्र प्रदेश के महानेत्रापाल के कार्यालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा विदेश मंत्रालय के लेखा नियन्त्रक के कार्यालय के स्थानापन्न कनिष्ठ लेखा अधिकारी, श्री साम्बशिवन गुहस्थामी के एतद्वारा कलपकम स्थित रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में 16 अप्रैल,

1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए प्रतिनियुक्त की शर्तों पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० प्रभानाभन
प्रशासन-अधिकारी
महानियुक्त परियोजना निदेशक

महानियुक्त परियोजना निदेशक विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1980

सं० ए०-12025/7/79-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशें पर, राष्ट्रपति ने श्री सुभाष चन्द्र को दिनांक 10-7-1980 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक, स्थानापन्न तौर पर सहायक नियुक्त परियोजना विमान सुरक्षा (ईंजी०) वरिष्ठ विमान सुरक्षा अधिकारी (ईंजी०) के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें महानियुक्त परियोजना विमानन, राम कृष्णपुरम, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए०-32013/13/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियुक्त, रेडियो नियमण और विकास एकक, नई विल्ली के कार्यालय के श्री पी० के० बी० नायर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 11-7-80 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित रूप से नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 39012/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी के श्री ए० व० के० दीक्षित, संचार अधिकारी का त्याग पत्र दिनांक 9-2-80 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० ए० 12025/2/79-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग ये वैमानिक संचार संगठन में दिनांक 22-7-80 (पूर्वाह्न) से तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें अन्य आदेश होने तक नियुक्त, रेडियो नियमण और विकास एकक, नई विल्ली के कार्यालय में तैनात किया है :—

1 श्री ए० विमानिंगम्
2 श्री पू० एन० महालिक

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानियुक्त नागर विमानन ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के श्री ए० व० राजन, संचार सहायक को दिनांक 25-7-80 (पूर्वाह्न) से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्दश आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें इसी स्टेशन पर तैनात किया गया है।

आर० एन० दास
सहायक नियुक्त, प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहरणलिय

इन्दौर, दिनांक 22 जुलाई 1980

सं० 10/1980—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधीक्षक समूह (ख) के पद पर पदोन्नत होने पर श्री जी० सी० सिंघर्ह, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (च० श्रे०) ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुद्र्यालय कार्यालय इन्दौर में 9 जुलाई 1980 के पूर्वाह्न में अधीक्षक (स्वर्ण) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 13/80—संघ लोक सेवा आयोग के पत्र सं० एफ-1/2/79-आर० डी० दिनांक 28-9-79द्वारा की गई अनुशंसा तथा हमारे स्थापना आदेश सं० 68/80 [प० सं० II (31) 6-गोप/79 दिनांक 7-5-80] के अनुसार श्री जगदीश प्रभाद ममरैन ने मुद्र्यालय कार्यालय इन्दौर में दिनांक 30-7-80 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह 'ख' (कागज तकनीकी) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० क० धर,
समाहर्ता

नागपुर, दिनांक 5 अगस्त 1980

सं० 2/80—संघ लोक सेवा आयोग के चयन तथा सिफारिश के अनुसार श्री क० सी० अग्रवाल, सहायक फोरमैन, आवृद्ध उपस्करण निम्नांगी, कानपुर की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्ति करने पर उन्होंने इस समाहरणलिय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर के अन्तर्गत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) नागपुर के कार्यालय में दिनांक 16 जून 1980 पूर्वाह्न में पदभार ग्रहण किया।

सं० 3/80—संघ लोक सेवा आयोग के चयन तथा सिफारिश के अनुसार श्री ए० क० पाटनी, फोरमैन, अभियांत्रिकी उपस्करण निरीक्षणालय, (पण्डित प्रक्षेप) बम्बई, की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर नियुक्ति करने पर उन्होंने इस समाहरणलिय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-I,

नागपुर के अन्तर्गत अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "ख" (यांत्रिक अभियांत्रिकी) नागपुर के कार्यालय में दिनांक 20 जून 1980 पूर्वाह्न में पदभार ग्रहण किया।

क० शंकररामन,
समाहर्ता

प्रकाशन निदेशालय
केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 2/80—श्री ए० आर० इस्तीवर, अधीक्षक, राजपत्रित ग्रुप "ख", केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहरणलिय, शिलांग को दिनांक 21-6-1980 के पूर्वाह्न से प्रकाशन निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली में तदर्थ रूप से निरीक्षण अधिकारी राजपत्रित ग्रुप "ख" नियुक्त किया जाता है।

सं० 3/80—श्री सत्य पाल बाहरी, कार्यालय अधीक्षक, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली को दिनांक 14-7-1980 पूर्वाह्न से प्रकाशन निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, नई दिल्ली में तदर्थ रूप से सदायक निवेशक (फार्म तथा प्रकाशव) नियुक्त किया जाता है।

संज्ञा रम्य
निवेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और बोर्ड कारपेट कम्पनी प्रा० लि० के विषय में

कानपुर, दिनांक 7 अगस्त 1980

सं० 7560/1417 एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बोर्ड कारपेट कम्पनी प्राइवेट लि० का नाम भाज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिवित कर दी गई है।

श्री० पी० चड्डा
रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज,
यू० पी०, कानपुर

ब्रह्म पाई दी एवं एम—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 जुलाई 1980

निदेश सं. 21/दिसम्बर/79—अतः मुझे श्रोता आनन्द्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), श्री धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं. सख्त नं. 79/1 सी सेलम रोड है, जो कैलासमपालयमपट्टी तिरुचेंगोड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय तिरुचेंगोड़ा (डाक नं. 2004/79) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रन्दूह अतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया याया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वावत उक्त प्रधिविधान के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रहृत नहीं किया गया या या इत्या वाना आदित् या त्रिग्राम में पुरिता के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसार में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अधारित:—
2-216GI/80

1. श्री के० अमिरतनिगम,

(अन्तरक)

2. श्री ए० गेरिमगामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी प्रवर्त्ति या नवांगंधी अविक्षयों पर सूचना जो लाभीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवर्त्ति बाद में समाप्त होनी हो, के प्रीता पूर्णस्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त शरा, अप्राइवेट शरा, अप्राइवेट शरा के पास लिखित में किए जा सकें।

दर्शावकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दोंमें और एदोंका, जो उक्त प्रधिनियम के अधाराय 20-व में परिभ्रान्ति हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रधाराय में दिया गया है।

मनुसूची

डाकुमेंट नं. 2004/79 एस० आर० श्रो० तिरुचेंगोड़ नं भूमि और ईर मिल निर्माण सं. नं. 79/1 सी, सेलम रोड, कैलासमपालयमपट्टी, तिरुचेंगोड़।

श्रो० आनन्द्राम,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख 26-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एत०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26-३४(1) के मतान दूरवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

54, रफी अपमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी० /रेज-IV/कल/1979-80—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), दी धारा 269-३४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करा जा दिया है कि स्थावर व्यक्ति निम्न उत्तिवारा (मुदा 25,00/-) के दृष्टिये से अधिक है।

प्रौढ़ जिसकी सं० 218 है, तथा जो नाम धन रोड, सालकिया, हावड़ा में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17 नवम्बर, 1979 की।

उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकरण के निए वन्नरित हो गई है प्रौढ़ मुझे यह विश्वास होते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकरण से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकरण का उचित प्रतिशत प्रधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए यह पाया जाया अतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण उचित में बास्तविक क्षमा में सहित ही हिला गया है।—

(क) अन्तरण ने दुई लिंगों द्वारा जो बाजार उक्त अधिनियम के अधीन हो रहे देश के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उसमें प्रतिक्रिया में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त वा किसी वा या अन्य पालियों को, जिन्हे सारलीय प्रायकर अधिनियम, 1921 (1921 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनतार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री मनिसा चाटर्जी

(अन्तरक)

2. डा० डि० प्रसाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीके उपलब्ध में कोई भी वाप्तीः—

(क) इस सूचना के राजपत्र वे प्रकाशन की जारीब से 45 दिन का अधिक या तत्सम्बन्धी अविकारों पर सूचना की जारीब से 30 दिन की अवधि, जो भी भवित्व बाइं ने लमाया हो गया है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में न किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की जारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समर्ति में नित्यबद्ध गिनो ग्रन्त व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अन्तरिती के पास लिखित ने फ़िर जो सहेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, वा धन-कर 20-5 में परिभ्राषित है, वह वर्त्य होगा, जो उम गहराय में दिया गया है।

अनुसूची

218 राम धन रोड, सालकिया, हावड़ा में 4 कट्टा, 4 छटांक, जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 3299 में प्रौढ़ पूर्ण रूप से वर्णित है :

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

54, रफी अपमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 18-7-1980

मोहरः

अर्थः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्त्रसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः—

प्रस्तुप ग्राइंड ट्रॉट एवं एस॰--

1. श्री विजराज गिरिमा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री हनुमानभल गिरिमा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

हायरलिय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० सी० 22/रेज-IV/कल/1980-81—यतः
मुझे के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की व्यारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 99 है, तथा जो सेवक रोड, थिलिगुरि में
स्थित है (आंग इससे उगावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थिलिगुरि में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 26-4-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के द्वीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की राक्षण उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
साथियत में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(प) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अ१: अब, उक्त अधिनियम की व्यारा 269-प के अनुमरण
में, उक्त अधिनियम की व्यारा 269-प की उपाधार (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना आरोपी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस भूमि के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संषोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

99 सेवक रोड थिलिगुरि में तिन तल्ला मकान का प्रबंधन
जैसे 1979 का दलिल सं० 5617 में और पूर्ण रूप से बर्णित
है।

के० सिन्हा,
सक्षम प्रांतिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV, कलकत्ता
54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख 8-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री लक्ष्मी चाटार्जी

(मन्त्रकर)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

2. कुमारी भारती मुखर्जी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

कलकत्ता-16, दिनांक 8 जुलाई 1980

निदेश सं० ए० सी०-23/रेंज/IV/कल०/1980-81—यह:
मुझे के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रचारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
वाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सि० ए० प्लाट सं० 3012, 3013, 3002
है तथा जो आसानसोल में स्थित है और इससे उपावढ़ अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय आसानसोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-1979
पूर्वोक्त प्राप्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिकल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए नए पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

आसानसोल सि० आई० टी० अफिस के पास 5 काठी
14 छटाक 35 स्कावर फुट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का
दलिल सं० 5944 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 8-7-1980

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपवारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति :—

प्रकरण नं. टी.एन.एस.—

1. श्री राखा गुद्जीत

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आधा
269-व (1) के प्रभाव सूचना

2. श्री मलिना सरकार

(अमृतरत्न)

भारत सरकार

कापालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निर्देश सं. ए० सी०-२४/रेंज-४/कल/1980-८१—यतः
मुझे के० सिंहाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आधा
269-व के प्रभाव सभाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
आरण है कि स्वावर सांति विस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लाट सं. 351 है, तथा जो सब ब्लाक-1,
ब्लाक-बी, कल्याण नदीया में स्थित है (और इससे उपावद
अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-11-79को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए परिवर्तन को गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिफल अर्थात् ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अमृतरत्नी
(अमृतरत्नियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण गे हुई किसी धार्य की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रभाव के अन्तरक के वाक्यात्म में कभी
करने या उससे बचने में वृद्धिका के लिए। और/या(ख) ऐसी किसी आधा या किसी धन या अध्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के
प्रधोजनाय अवधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चि-
टि हिए।यतः अब, उक्त अधिनियम की आधा 269-व के पद्ध-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम का आधा 269-व की उपावदा
(1) के अधीन, निम्नविवित विवितों, अर्थात् ।—को यह सूचना जारी बरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यकान्वयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी प्रधिक
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताधारी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।सरबटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

प्लाट सं. 351, साब ब्लाक-1, ब्लाक-बी, कल्याणि में
8 कहा, जमीन पर मकान सब कुछ जैसे 1979 का वलिल सं.
5995 में और पूर्णरूप से वर्णित है।के० सिन्हा,
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता।

तारीख 8-7-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-३ (१) ३ अष्टीन सूखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक ८ जुलाई, १९८०

निर्देश सं० ए० सी०-२५/एसीक्यू/रंज-IV/कल/
 १९८०-८१—यतः मुझे के० सिन्हा,
 आयकर वादित रम, १९६१ (१३६१ ना ४३) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात 'एकत्र अधिनियम' कहा गया है), की आरा २२०-ख के
 अधीन सक्रम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारण है
 कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/-
 रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 77 है, तथा जो सेलिमपुर लेन, में स्थित है
 (श्रौर इससे उपावद अनुग्रही में श्रौर जो पूर्णल्प से वर्णित है)
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हायगार आलिपुर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
 13-11-79

को पूर्वोंत सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृष्टिमान प्रतिफल के लिये प्रत्यादित नहीं है और मूल पद्धति करने का कारण है यहाँ ग्राहकों की सम्बन्धित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तररक्तों) और प्राप्तिशती (प्राप्तिशतिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दर से उक्त अन्तरण निखिल में आसन्निक का ने उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वारा, उक्त ग्रामिणयम् के मध्यीन कर रहे के सम्मतरण के वायिक्य में कमी हुने द्या जाने वाले में सविता के लिए; और/या

(अ) एसी १०६ ग्राम या किसी धन या अन्य प्रस्तिरी को विद्युत चारिय चार रुपियाँ, १९२२ (१९२२ का ११ ग्रामत अधिनियम या धन-कर प्रतिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए है, छिपाने वे सुनिधार के लिए।

असः भाग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित घटिकायें, अर्थात् :—

1. श्री नरेन्द्र कुमार वास ।
(प्रन्तरक)
2. श्री अनली मंजूमदार ।
(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाभित सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिका रखना है।

उक्त ट्रैटि के अर्जन के तर्बंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस पूँजी के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वृद्धि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवृत्ति, जो भी वृद्धि बाब में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मेरी किसी व्यक्ति प्राप्त;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर स्थिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पर्वोस्तावद्वारा 6 पाव लिखित में हित वा वर्कों।

सहयोगीता - द्वारा नेप्रयुक्त ग्रन्थों प्रीरद्वारे 6%, जो उत्तर प्रश्ननियम, के प्रश्नाय 20-वां में उत्तराधिकारित है यही अर्थ होगा, जो उस प्रश्नाय में दिया गया है

अनस ची

77 सेलिमपुर लेन, कस्बा, 24-परगना में 2 कट्टा, 3 छटाक, 10 स्ववायर फुट जमीन पर मकान का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 6083 में और पूर्ण रूप से बर्णित है।

के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : ८-७-१९८०

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संसद आयकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 30 जुलाई, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-२६/एमीक्षृ/रेंज-VI/कल/१९८०-

८१—यतः मुझे के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन संभव प्राधिकारी ने, पूर्व विषयात् उक्त न कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नांतरा मूल्य २५,०००/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० मैंजा सं० १२८, १२९ है, तथा जो सांकरेल,
हावड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 16-11-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित गैं
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादा, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कगी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अल्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में गुविधा के लिए।अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—१. इसका मेकवाल, कुयन मेकवाल, साइकी मेकवाल,
हालिम मेकवाल, के० ई० जे० मेकवाल, बाहार मेकवाला
(अन्तरक)

२. श्री अनिल कुमार दत्त ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन को अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पी० एम० सांकरेल हावड़ा, में ०.१४ एकड़ जमीन का
सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० ३२९२ में और पूर्णरूप
से वर्णित है।के० सिन्हा,
संसद प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता ।

तारीख : 30-7-1980

मोहर :

प्रलेप शाहू ८० टौ० एन० एस०—

ग्रामपत्र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निवेदण सं० ए० सी० ३६/एसीक्य० आर०-IV/कल/८०-८१
—यतः मुझे के० सिन्हा

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है,

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया लेन, जि० हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राप्तिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक
28-11-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चुटेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वापिस्थ
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नियू सेन्ट्रल जूट मिल क० लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुश्तिका देवी श्रागरत्नगाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंति के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी ग्राहक बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षताकारी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रदूषित पद्धति और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
स्वर्ण होगा, जो उस ग्रहण में दिया गया है।

अनुसूची

40 जया बिबि लेन, आना बालि जिला हावड़ा, में 5 का०
47, 16 स्को० किं० जमीन का सब कुल जैसे 1979 का दलिल
सं० 10084 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राप्तिकारी,
सहायक प्राप्तकर प्राप्तकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० मी० 37/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः
मुझे के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया विवि लेन, हावड़ा में
स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिशत (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी श्राव की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आगाम प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-216 GI/80

1. मैसर्से निय० सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. भिनोड कुमार

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पश्चात् में कोई भी आभेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योत्स्ताक्षरी के पास
लिखित म किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

40, जया विवि लेन, थाना बालि जिना हावड़ा में 5 कट्टा
116. 6 स्क्वार फिट जमीन का मव कुठ जैमे 1979 का
दलिल सं० 10082 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
संक्षम प्राधिकारी
महाप्रकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख: 1 अगस्त, 1980

मौहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० ३८/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः
मुझे के० मिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
दृष्टे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 28-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति :—

1. मैसर्स नियू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. रोशि गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्प्रबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुख शब्दों और पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40, जया बिबि लेन थाना बालि जिला हावड़ा में 5 का०
116. 16 स्को० कि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का
दलिल सं० 10090 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-VI, कलकत्ता

तारीख : 1-8-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.-----
 आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-4, कलकत्ता
 कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० 39/रेज-IV/कल०/1980-81—यतः,
 मुझे, के० सिन्हा
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु. से अधिक है
 और जिसकी सं० 40 है, तथा जो जया बिबि लेन, हावड़ा
 में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में और जो पूर्ण रूप
 से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक 28-11-1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के नायित्व में
 कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 परामर्श अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०।

(अन्तरक)

2. कुमारी रेखा जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए
 कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

40, जया बिबि लेन थाना बालि, जिला हावड़ा में 5 क०
 4 छ० 16 स्क्वार फिं जमीन का सब कुल जैसे 1979 का
 दलिल सं० 10881 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज-4, कलकत्ता

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
 में, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप शहू. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं. लि.।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी सपना अगरवाल।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं. १० सी०-४०/रेज-IV/कल०/१९८०-८१—यतः,
मुझे, के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 107 है तथा जो जया विवि लेन, हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
28-11-1979को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिक्षित:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करसा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

107, जया विवि लेन, थाना बालि, जिला हावड़ा में 5 का०
5 छ० 22 सक्वा० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का
बलिल सं. 10083 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।के० सिन्हा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

तारीख: 1-8-1980

मोहर :

अर्जन रेज-4, कलकत्ता

प्रकल्प प्राई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं. ए० सी० 41/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः
मुझे के० सिन्हाआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प
के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. 107 है, तथा जो जया विवि लेन, हावड़ा में
स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-11-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पश्चात् प्रतिक्रिया से प्राप्तिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए
तथा याचना गया रात्रिल विभिन्नतिवित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरोपण
लिखित में शास्त्रिय रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) प्रत्यरोपण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या रिसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;पदः पद, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प के प्रत्यरोपण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. मैसर्स नियू सेन्ट्रल जूट मिं कं. लि०

(मन्त्रक)

2. कुमारी पि० के० जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(ग) इस सूचना के राजारत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजारत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास
निवित में लिए जा सकेंगे।संबोधन:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

107, जया विवि लेन थाना बालि जिला हावड़ा में 5 का०
5 छ० 22 सवा० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का
घलिल सं. 10086 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।के० सिन्हा
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० 42/रेज-IV/कल/1980-81—यतः मुझे के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अंतीर्ण संशोधन प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति नियमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है, तथा जो जया विवि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-11-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अद्वृद्ध प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरह (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्तने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अंतीर्ण, निम्न लिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्सी न्यू सेन्ट्रल जूट मिल क० लि० ।

(अन्तरक)

2. अर्जित कुमार जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्बति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बति में हितवाद किसी प्रन्य अवित्त द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पात्र विवित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107 जया विवि लेन, बालि, हावड़ा में 8 कट्टा 5 छाटोंक जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10085 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
संभाल प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV/ कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रलेख आई० टी० एन० एस०---

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जूट मिल क० लि० ।

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी० 43/रेज-IV/कल/1980-81—यह:
मुझे क० सिन्हाआयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके परिवर्त 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के प्रधीन सम्म प्राधिकारों को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 107, तथा जो जिया बिबि लेन, हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 28-11-1979 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल
के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल के पश्चात प्रतिकूल से अधिक है
और अन्तरक (प्रस्तरिकों) और प्रस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
प्रस्तरण के लिए तय पाया था प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था।(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधिनियम
के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भ्रन या अन्य भास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयतर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम,
वा धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकृत नहीं
किया था या किया जाना चाहिए था,
किपने में सुविधा के लिए;107, जया बिबि लेन, हावड़ा में 5 काठा, 5 छटाक
22 स्क्वायर फिट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०
10088 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।क० सिन्हा
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ताअतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, नै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपश्रावा (1) के
धीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—तारीख: 1-8-1980
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 44/रेंज-IV/कल/1980-81—यतः

मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 107 है तथा जो ज्या विवि लेन, जिला हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-11-1979

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भवे की विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

1. मैसर्स न्यू सेन्ट्रल जैट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी रवि गोयल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

107, ज्या विवि लेन थाना बालि, जिला हावड़ा में 5 का० 9 छ० 15स्क० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 10089 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
54, रफी अहमद किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसार में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीखः 1-8-1980
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

1. मैसर्स नियू सेन्ट्रल जृट मिल कम्पनी लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. श्री संजय गोयल

(प्रत्यक्षित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निदश सं० १० सी०-४५/रेंज-४/कल/१९८०-८१—यतः
मुझे के० सिन्हा०आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सभीम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 107 है, तथा जो जया विवि लन, बालि,
हाबड़ा में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुगूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-11-1979को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अनुगूची

107, जया विवि लन, थाना बालि, जिला हाबड़ा, में 6 का०
10 छ० 18 स्कॉ० फि० जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का
दलिल सं० 10091 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।के० सिन्हा०,
सभीम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, IV, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-१६।यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

4-206GJ/80

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

1. श्रीमती भगवत्ती देवी विधवा

श्री रामगोपाल पुत्र श्री मौहन लाल,
निवासी न्यू कालोनी, गुडगांव।

(प्रस्तरक)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० जी० प्रार० जी०/22/79-80—प्रतः, मुझे,
गो० सि० गोपाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 100 प्रार, न्यू कालोनी है तथा जो
गुडगांव में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पर्याप्त
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख नवम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रब्रह्म
प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती
(प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-न-नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

2. श्री हरी प्रसाद सैनी पुत्र श्री कंवर सैन सैनी,
निवासी ई-414, देव नगर, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 100-प्रार, न्यू कालोनी, गुडगांव तथा
जैसा कि और अधिक रजिस्ट्रीकर्ता गुडगांव के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 3310 दिनांक 28-11-1979 में दिया गया
है।

गो० सि० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 6-8-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निकेश सं० पी० एन० पी०/27/79-80—अतः, मुझे,
गो० सि० गोपाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रक्कड़ा 4 बीघा 1/3 विस्था है तथा जो तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है (और इसे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित रहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री तुलसी दास,
निवासी मकान नं० 72, माडल टाउन,
पानीपत ।

(अन्तरक)

2. मै० नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई
मार्फेत, श्री सत्यदेव पुत्र श्री मानुलाल नारंग,
मैनेजिंग डायरेक्टर,
7, गोल मार्फेट, माडल टाउन, पानीपत ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 विस्था जोकि तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3402 दिनांक 12-11-1979 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 6-8-1980

मोहर :

प्रस्तुप आइ०. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० पीएनपी/28/79-80—अतः, मुझे, गो० सी० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि रकमा 4 बीघा 1/3 बिसवा तारफ इन्सार है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक नवम्बर, 79 का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

1. श्री आनन्द कुमार पुत्र श्री तुलसी दास
मकान नं० 72, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मैसर्ज नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई
मार्फत श्री सत्य देव नारंग, पुत्र श्री शानुलाल नारंग
मैनेजिंग डाशरेष्टर,
7 गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिसवा जोकि तरफ इन्सार, पानीपत में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3403 दिनांक 12-11-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 6-8-1980
मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० पी० एन० पी०/29/79-8-0—अतः मुझे, गो० सि० गोपाल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, रोहतक प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्का 4 बीघा 1/3 बिसवा तारफ है इन्सार, पानीपत है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपांबुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का फदह प्रतिशत से पर्याप्त है और प्रत्यक्ष (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक हा से कर्पित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्ति से हुई छिसी आय को बादत, उक्त अधिनियम के निरीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में भी नहीं या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर सर्व में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री कर्म नारायण पुन्न श्री तुलसी दास
माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मेसर्स नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि० बम्बई,
मार्केट: श्री सत्यदेव नारंग पत्र श्री जानुराम नारंग
बम्बई हाल 7 गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत।
(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंदोलन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी अक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुत किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पति भूमि 4 बीघा 1/3 बिसवा जोकि तरफ है इन्सार पानीपत में स्थित है जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3404 दिनांक 12-11-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 6-8-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं० पी० एन० पी०/३०/७९-८०—यतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० भूमि रकमा 4 बीघा 1/3 बिसबा तारफ इन्सार है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्राप्तण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पृथ्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, प्राप्ति :—

1. श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र श्री तुलसी राम भाटिया
मकान नं० ७२, माडल टाउन, पानीपत।
(अन्तरक)
2. भैसर्स नारंग एण्ड नारंग प्रा० लि०
मार्फत : श्री सत्य वेब नारंग, पुत्र श्री शानु राम
हाल ७ गोल मार्केट, माडल टाउन, पानीपत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष :—

(क) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजनीति में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अस्ति द्वारा, अधोक्षेत्रकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हींगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 4 बीघा 1/3 बिसबा जोकि तारफ इन्सार पानीपत में स्थित है और जिसका और विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3405 दिनांक 14-11-79 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 6-8-1980

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1980

निदेश सं० पी० आर० 998-डी०सी०क्य०-23-I/79-80—

अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है।और जिसकी सं० एस० नं० 382, प्लाट नं० 19, है तथा जो
गोन्डल रोड, पी० डी० एम० कालेज, के सामने राजकोट में
स्थित है (और इससे उपार्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
10-12-1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरिक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखेत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय
अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन
निम्नलिखित अधिकारी, प्रवत्ति:—1. श्री विश्रामभाई, लवजीभाई भडेशीआ,
अनील इन्जीनियरिंग वर्क्स के सामने,
गोन्डल रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री मनहरलाल मगनलाल शाह,
C/o हरेन ब्रावर्स,
देवर रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा अप्रोद्दृत्याकरी के पास विवित में
किये जा सकें।हास्टोकरण:— इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभासित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस प्रधानाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान एस० नं० 382, प्लोट नं० 19 है, जो
गोन्डल रोड, पी० डी० एम० कालेज के सामने, राजकोट में
स्थित है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में
नं० 3993 से दिनांक 10-12-1979 के रोज रजिस्टर्ड की
गई है।एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबादतारीख 21-4-1980
मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1065-एक्वी०/23-I/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55 प्लाट नं० 28-ए, है तथा जो
गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास, राजकोट में स्थित है
(और इसमें उपाबुद्ध अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसरे प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंसूतियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उम्पादा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमृत लाल, भानुलाल कोठारी,
32, आमोंनीयन स्ट्रीट, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र ईश्वरलाल अजमेरा
अजमेरा कोर्पोरेशन,
पी० एन० बी० हाउस, फिरोजशाह महेता रोड,
बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
तिलित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो एस० नं० 55, प्लाट नं०
28-ए, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में
स्थित है ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7186 से तारीख 13-12-1979
को रजिस्ट्री की गई है और बिक्री खत में संपूर्णतः वर्णित की
गई है।

एस० एन० मान्डल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 28-6-1980

मोहर :

प्रलेप प्राईंटी टी० एन० एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1066 प्रक्री 23-I/80-81

प्रत: मुझे एस० एन० आयुक्त,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन तत्त्व प्राधिकारी को, यह विष्वास करने वाले कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 53, प्लाट नं० 28-ए, है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 13-12-1979

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने वाले का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, ऐसे प्रथमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित त्रैये से उक्त अन्तरण तिकित में वास्तविक रूप में रुक्षित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की वावत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिक्रिया द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान:—

5-216 GI/80

सर्वश्री

1. (1) जयकर हरिलाल कोठारी
- (2) कीर्ति हरिलाल कोठारी
- (3) राजेश हरिलाल कोठारी
- (4) कमलाबेन हरिलाल कोठारी

32. आर्मेनीयन स्ट्रीट, कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. जाप्रती छगनलाल अजमेरा, अजमेरा कार्पोरेशन, पी० बी० एन० होउस, पी० एन० रोड, बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त पम्पति के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

विव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

980, वर्ग गज जमीन जो एस० नं० 55 प्लाट नं० 28-ए-4, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास, राजकोट में स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7187 से 13-12-1979 को रजिस्ट्री की गई है और विकी खत में संपूर्णतः वर्णित है की गई है।

एस० एन० मान्डल
सभाम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 26-6-1980

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अ० 1980

निवेश सं० पी० आर० नं० 1067, एक्वी०-23-1/80-81—

अतः मुझे एस० एन० मान्डल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55, प्लाट नं० 28-ए, है तथा जो
गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास, राजकोट में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-12-79
को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाण गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अमेरिक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री गीरधर लाल बानालाल कोठारी
32, आर्मीनीयन स्ट्रीट,
कलकत्ता-1

(अन्तरक)

2. श्री जयन्त ईश्वरलाल अजमेरा
अजमेरा कार्पोरेशन,
पी० बी० एन० हाउस, पी० एम० रोड,
बम्बई-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो प्रमा० नं० 55, प्लाट नं०
28-ए, से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज, के पास राजकोट में
स्थित है, ये जमीन रजिस्ट्री नं० 7188 से तारीख 13-12-79
को रजिस्ट्री की गई है और विकी खत में सम्पूर्णतः वर्णित की
गई है।

एस० एन० मान्डल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद
तारीख 26-6-1980
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जून 1980

निर्वेश सं० पी० प्रार० नं० 1068, एस्ट्री 23-I 80-81
अतः मुझे, एस० एन० मान्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ड के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 55, प्लाट नं० 28 ए० 5 है तथा जो गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 दिसम्बर, 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या विसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—

(1) श्री जयन्ति लाल बानालाल कोठारी 32, आमतियन स्ट्रीट, कलकत्ता-1।

(अन्तरिक)

(2) श्री शेलेश मोहनलाल अजमेरा, अजमेरा कापौ-रेशन के सामने पी० बी० एन० हाउस, पी० एम० रोड, बम्बई-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

980 वर्ग गज खुली जमीन जो एस० नं० 55, प्लाट नं० 27-ए०-5 से गोन्डल रोड, रवि कोल्ड स्टोरेज के पास, राजकोट में स्थित है, ये, जमीन रजिस्ट्री नं० 7189 से तारीख 13-12-1979 को रजिस्ट्री की गई है और बिश्री खत में संपूर्णतः वर्णित की गई है।

एस० एन० मान्डल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 26-6-1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रन्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1095-एक्सी I:—ग्रन्ति: मुझे,
एस० एन० माण्डल,ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के ग्रन्थीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० सुपरक्सटक्चर पिलिंथ पर अर्थात् राज सिनीया
मकान है। तथा जो केशद, जिला जुनगढ़ में स्थित है।
और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जुनगढ़ में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
14 दिसंबर, 1979,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;ग्रन्ति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के ग्रन्थीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात्:—(1) श्री अगोर ट्रे डरस, प्रेस्ट्रीट श्री अशोक कुमार
लोटेलाल, स्टेशन रोड, केशोद।

(अन्तरक)

(2) राज सिनीया, के द्वारा भागीदार श्री पोला
भाई राजा भाई और दूसरे। गांव हानडा।
ता० केशोद, जिला जुनगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के
लिए कायंवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।स्वष्टीकरण.—इस प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान मालूम मेसरस राज सिनीया जिसका माप
1763-5-0 वर्ग गज पर स्टेशन रोड, केशोद में स्थित है।
जो बिक्री खत नं० 1373/14-12-79 से केशोद रजिस्ट्रार
के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत
संपूरण वर्णन है।एस० एन० माण्डल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्ति रेंज-I, अहमदाबाद।
तारीख: 19-7-1980
मोहर:

प्रकृष्ट प्राइ० टी० एन० एस० -----

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 19 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 1096/एक्वी 23/I:—अतः मुझे, एस० एन० माण्डल,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नं० एस० पी० 169 पैकी टिं० पि० एस 15 प्लाट नं० 19 बी है। तथा जो साथिवर्द्धि का ओहै सैसंथिटी लिमिटेड, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-12-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती मधुकाल्तावेन गौरीशंकर देव और दूसरे। नगीनदास मानसन, ब्लाक नं० 14, चौथी मंजिला ओपेरा होस, बम्बे। (अन्तरक)

(2) श्री रति लाल साकरचन्द मनसावाला, ज्ञानी कुन्ज कोलनी नं० 2, 1, नागरषेन का वानडो, घीकान्ता रोड 1, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान जमीन पर जिसका माप 672 वर्ग गज में एक० पि० नं० 169 पैकी टिं० पी० एस० 15-प्लाट नं० 19-बी पर स्थित है। जो सत्यवादी कोआपहैर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड, बाडज, अहमदाबाद में है। जो बिक्री खत नं० 14014/26-12-79 में अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकत संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अहमदाबाद।

तारीख: 19-7-1980

मोहर:

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 1097 एक्यु 23-I/1-1/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माझ्जल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दि० पी० एस० नं० एफ० पि० 56, सब प्लाट नं० 4 है। तथा जो उसमानपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13 विसम्बर 1979,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण निषिद्ध में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रबिनियम, या धन-कर प्रबिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिसमें मुविधा के लिए।

बत्त: अब, उक्त प्रबिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, उक्त प्रबिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रजेन्द्रा दवारकादास टाकोर 46, प्रीतम नगर एल्लिस ब्रिडज अहमदाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्री हरिसिंह कृष्ण का० ओ० है० सोसायटी लिमिटेड के दवारा प्रमुख श्री सनकलचन्द्र शान्तिलाल शाह 43, हरिसिंह कृष्ण को० ओ० है० सोसायटी लिमिटेड नारायणपुरा अहमदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रबिनियम के व्यायाय 20-रु में परिभाषित हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस व्यायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका माप 1279 वर्ग गज में एफ० पि० नं० 56 सब प्लाट नं० 4, टी० पि० एस० नं० 19 पर उसमानपुरा, अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कार्यालय में विकी खत नं० 11625 तारीख 13-12-79 में रजिस्ट्री की गई है। अर्थात् मिलकन संपूर्ण वर्णित है।

एस० एन० माझ्जल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघरूप आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० 953 एक्यू 23/7-3/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी जो यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 441 (पैकी) लानड विद्रा गांव महादेव नगर एरिया है। तथा जो नवजीवन सोसायटी के पास, कालीरोड सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-79, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्त्रकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वर्णय से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की भावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिष्ठा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया गया। जाहिए था, छिपाने में सुधिष्ठा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के ग्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवैत्त:—

(1) पं० बिला भाई दुलाभाई बंगाली, मुन्दर रोड, बिलोरा।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री चौठालाल लल्लुभाई मिसतरी और चार दूसरे। महादेवनगर, बिलोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दायी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लंबंध में कोई भी आव्वेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तासंबंधी अवित्तियों पर मूलना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा प्रबोहस्ताकारी के पास विविद में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्यायाम 20-क में पर्याप्ति हैं, वही पर्याप्त होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जिसका माप पर आर० एस० नं० 441 (पैकी) वेगा गांव, महादेवनगर, बिस्तार, नवजीवन सोसायटी के पास चिकोल रोड, बिलोरा में स्थित है। जो बिक्री खत नं० तारीख 5-12-1979 पर गनदेवी रजिस्ट्रार के कार्यालय में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० माण्डल,
सकाम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन दिन 11 अहमदाबाद

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेंज-II, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, विनांक 18 जुलाई 1980

सं० पी० आर० नं० 954 एक्वी 23/1980-81/—अतः
मुझे, एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० नांद नं० 3374, माली फलिया कार्य
मेदन है तथा जो वार्ड नं० 1, सूरत में स्थित है (और
इससे उपांबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 11
दिसम्बर 79,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जहाय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविष्ठा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा, (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वसन्तकुमार एलियास वसन्तकुमार धनराज
सेवानी पुष्पिन दक्ष: धनराज मानकचद एलियास
ढौर रोड 1, गुण मानसील 1, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री किरीतीलाल पोपटलाल शाह 1, राज एपार्टमेंट
नं० 3, गोपीपुरा 1 मालीभलिया 1, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एप्लीकेशन:— इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत नांद नं० 3374 पर माली फलिया, काज
मेदन, गोपीपुरा सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के
कार्यालय में तारीख 11-12-1979 में रजिस्ट्री की गई
है।

एस० एन० माण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
प्रज्ञन रेंज-II, प्रहमदाबाद

तारीख: 18-7-1980

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० आर० नं० एक्यू 23/I/80-81 :—प्रतः
मुझे एस० एन० भाण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7, एम० नं० 2288 (पैकी) गोदाद रोड डि० सि० एस० नं० 5 है। तथा जो अतवा, सूरत में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 दिसम्बर 1979,

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यवित्यों, अस्ति :—

6—216G1/80

(1) श्री कल्लुमाई रनचाहनी पटेल, सिरारा तालुका—
बारदोली, सूरत जिला।

(अन्तरक)

(2) श्री जातीन भाई जयन्तीलाल भेहता, 54
सरदारनगर सोसायटी, मुमुक्षु ड्य रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करते हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आकैप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी ध्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अवित द्वारा अद्योदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

इष्टीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयृहोगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

युला जमीन प्लाट नं० 7 सरवे नं० 2288 (पैकी) गोदाद रोड, डि० पि० एस० नं० 5, अतवा सूरत में स्थित है। जो सूरत में रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 18-12-1979 में रजिस्ट्री की गई है।

एस० एन० भाण्डल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एच. एस. —————

(1) श्री नाथाभाई नरसि भाई पटेल, दीवालीवेन, चिनुभाई नर्सिभाई के विवाहा, बारदोली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० 956 एक्यु 23-II/80-81 :—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० नं० 262-6 पैकी जमीन है। तथा जो बारदोली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बारदोली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26 दिसंबर 1979,

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ह्र प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

जमीन संवै नं० 262-6 पर बरदोली में स्थित है। जो बरदोली रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26-12-1979 रजिस्ट्री की गई है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

एस० एन० माण्डल,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीखः 22-7-1980

मोहरः :

प्रध्यप धार्द० ई० एन० एस०—

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पि० आर० नं० 957 एक्यू 23-I/80-81:—

अतः मुझे एस० एन० माण्डल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोव नं० 4208, वार्ड नं० 2, काला मेहात झेरि है। तथा जो संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 दिसम्बर 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्तव्यान प्रतिक्रिया के लिए प्रस्तुति को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उक्तव्यान प्रतिक्रिया न, ऐसे उक्तव्यान प्रतिक्रिया का पद्धति प्रतिशत प्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उक्तव्य से उक्त प्रस्तुति में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्त्रक के दायित्व में करो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगभार्य प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व के प्रनुसार म, मे, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उपाधान (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मानतरायी श्रीपतरायी वैघाण, सांग्रामपुरा, काला मेहात झेरी 1, सूरत।

(मन्त्रक)

(2) श्री बिजलाल अतमाराम राणा, बेग्रामपुरा अतमाराम राणा, सूरत।

(मन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आदेष :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संरक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-व में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत नोव नं० 4208, वार्ड नं० 2, सांग्रामपुरा सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 7-12-1979 में रजिस्ट्रर की गई है।

एस० एन० माण्डल,
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एम. एस. —————

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निम्नों सं० पी० भार० नं० 958/एक्वी 23-II/8 0-8 1—
भ्रतः मुझे, एस० एन० मौल्डल,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ष के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नो० 4238 वार्ड नं० 2, काला मेहता
मेरी है तथा जो साग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28
दिसंबर 1979,

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्रावृक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
काल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
है तो कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के बन्दरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

(1) श्री कातिलाल बालक्रियण शास्त्री। संग्रामपुरा,
काला मेहता मेरी, हाल का पता। जिला कार्यालय,
पश्चिम रेलवे, कोति कामपैनड, राजकोट।

(अन्तरिक)

(2) श्री सुधीर कुमार परवोतम दास जारीबाला,
सिधी मेरी, सालाबतपुरा हाल का पता:—काला
मेहता मेरी। संग्रामपुरा सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधिकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यान्वयण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

मिलकत नो० 4238 वार्ड नं० 2, काला मेहता
मेरी, संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है। जो—सूरत रजिस्ट्रार
के कार्यालय में तारीख 25-12-79 में रजिस्ट्री की गई
है।

एस० एन० मौल्डल,
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22-7-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राप्ति दी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1980

निदेश सं० पी० आर० नं० ९५९/एक्य०/२३-II/८०-८१—
अत मुझे एस० एन० मांडल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० नं० ३०८५ बि० मि० ई० बादेका
चकला बार्ड नं० १ है तथा जो सूरत में स्थित है (और
इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ५-१२-७९
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
बृह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित, बाजार मूल्य, उसके बृह्यमान प्रतिफल से, ऐसे
बृह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
चहेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बुनियाद उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
ध्लाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उपकारा
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाः—

(1) श्री महामुखलाल मोहनलाल मेहन्ता 1, 9/1341,
बालाजी रोड 1, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद भाई ईमंसिल मुल्ला (पी० ए०
एच० सी० ईमंसिल अहमद मुल्ला 1), पार-
सिवाद 1, रानदेर 1, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त की तारीख से ४५
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्राप्त की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकार किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्साक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय २०-ए में परिभाषित है, वहीं
माना होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मिलकत बादेका चकला, कवाजा दादा साहब दर्गे के
पास नं० ३०८५-बि० सी० ई०, बार्ड नं० १ में स्थित
है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख ५-१२-१९७९
में रजिस्ट्री की गई है।

एम० एन० मान्डल
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद ।

तारीख : 22-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त 1980

निवेदण सं० सी० आर० 62/25604/79-80/अर्जन/
बी०—अत मुझे आर० तोताकीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० एस० 769/1 और आर० एस०
सं० 101/बी१ है, तथा जो कदरी गांव, बेहर थार्ड, मंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 6-12-1979को पूर्वांकित संचालित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिवर्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब जाय गया प्रति-
कल गिर्वालिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काँथत नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या विविध धन या अन्य आविष्कारों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, विमुक्तियों अधारि:—(1) श्री जे० संजीव सलियनि, सुपुत्र उरगण्डा पुजारी,
कदरी मार्केंट के पास, मंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नागेडा, सुपुत्र कोरगण्डा, "नेत्ती हाउस",
मरोली, मंगलूर।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के बर्बन के मिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्तराकारी के
पास लिखित में किए जा सकते।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 713/79-80, तारीख 6-12-79]।
धर संपत्ति

क्रम	टी० एस० सं०	आर० एस० सं०	किस्स सं०	ए० सी०
1.	749/1 (उत्तर विभाग का 0.80 सेंट में पश्चीम विभाग)	101/बी१	—	0.11
2.	749/1 (उत्तर विभाग के 0.80 सेंट में दक्षिण विभाग)	101/बी१ क्रम सं० 1 में एक महड़ी इमारती है जिसके सं० 15-13-716-2(8) और 717।	—	0.05

आर० लोताकी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 5-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री सीमन सिलवीस्टर रसकवीनां सुपुत्र अन्तर्वेत्त्वर
रसकवीनां, सिलालिस, कनपतेगु, कंकनाडी, मंग-
लूर-2।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 5 अगस्त 1980

(2) (1) श्री एम० सुन्दर शेट्टी, सुपुत्र चंद्र शेट्टी,
मैनेजिंग पार्टनर रेनबो रेडी वेरस और(2) एम० सुरेजा शेट्टी सुपुत्र एम० सुन्दर शेट्टी
पार्टनर, कंकनाडी, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेपेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के द्वितीय
गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज 715/79-80 तारीख 23-11-79]।
संपत्ति सं०(1) एस० वै० सं० 78-8—बागायत् 0.17-1/2।
(2) एस० वै० सं० 78-1ए०-2—नंजा —0.04

0.21-1/2

या 870.10 रुपये मीटर।
कंकनडी, मंगलूर।आर० तोताली
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरतारीखः 5-8-1980
मोहरःअतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, भृ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 अगस्त, 1980

निर्वेश सं० सी० आर०/25792/79-80/प्रजन/बी—
यतः मुझे आर० तोताकीआयकर प्रधिनियम, 1951 (1951 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वारार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,और जिसकी सं० 27/02 है तथा जो I-'ए' मेन रोड,
दूसरा ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11 में स्थित है (और
इसमें उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 13-12-1979को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए प्रमत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिकल सेप्टि का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरको) और पन्तरिती
(अन्तरित तथा) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल निर्मनिकृत उद्देश्य से स्थावर अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की वापत्ति, उक्त प्रधिनियम,
के प्रयोग कर दो रुपन्तरक के दायित्व में कपी करने
या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य घोसितीयों को
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगमान्य
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता
थाइए था, लियाने में सुविधा के लिए;अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरमें
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपरोक्त (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) डा० एच० जी० मुन्द्ररामरेड्डी, सं० 17,
बल्लारी रोड, पैलेस आर्कें, बैंगलूर-6।
(अन्तरक)(2) श्री डी० ए० श्रीरामचंद्र, सं० 162/10-बी,
राम अदीगार रोड, बी० बी० पुरम, बैंगलूर-4।
(प्रत्यक्षिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संश्वर में कोई भी आधेप:—

(क) इस सूचना के राजाव में प्रत्यक्षत की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी प्रविधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजाव में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तें दिखाई
हों अथवा अप्रौद्धताकारी के लाएं लिखित में
लिए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3038/79-80 तारीख 13-12-1979)
उक्त सम्पत्ति सं० 27/02, IX-ए, मेन रोड, दूसरा
ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर-11।

चक्रबंदी:—

उत्तर में: सं० 276

दक्षिण में: जगह सं० 27/03

पूर्व में: जगह सं० 27/01

पश्चिम में: IXए, मेन रोड

आर० तोताकी
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 5-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार]

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निवेश सं० आई० ए० सी० एस्य०/एस० आर०-१/12-79/6017—अतः मुझे, श्रीमती ए० स० के० श्रीलख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/38 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पद्धति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

7-216 GI/80

(1) श्री पी० सी० उवरोल पुत्र स्वर्गीय गुरु प्यारे उवरोल, निवासी ए-2/38 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊपा गानी धर्मपत्नी वृज मोहन खसा, सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री वृज मोहन खसा व भूपिन्द्र कुमार पुत्र श्री वृज मोहन खसा, निवासी डल्लू० जैड-8, मीना कासी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल स्टोरी कोठी नं० ए-2/38 राजौरी गार्डन नई दिल्ली जो कि निम्न लिखित प्रकार से छिरा हुआ है:—

उत्तर: प्रोपर्टी नं० ए२/३७

दक्षिण: प्रोपर्टी नं० ए२/३९

पूर्व: रोड

पश्चिम: प्रोपर्टी नं० ए२/४१

श्रीमती ए० स० के० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०एक्य०/II/एस० आर०-१/
12-७९/६०४२—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० औलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 8/6 है तथा जो अलीपुर रोड, दिल्ली
में स्थित है (और इसे उपाध्य अन्नसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1979
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण १० कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेद्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
पारित्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्जे एल० एन० गडोडिया एड सन्ज लिमिटेड
कूचा नटवर, चांदनी चौक दिल्ली-६ श्री तेज पाल
गडोडिया।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी दत्त गुप्ता पुल लाला जगनाथ और
श्रीमती सन्ध्या गुप्ता धर्मपत्नी श्री लक्ष्मी दत्त
गुप्ता निवासी ८१-ए, कमला नगर, दिल्ली-७

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्नसूची

एक बंगला नं० 8/6, अलीपुर रोड, सिविल लाइन्स,
दिल्ली में स्थित है, जो कि निम्नलिखित प्रकार से विवर
हुआ है:—

पूर्व : अलीपुर रोड

पश्चिम : चर्च मिशन स्कूल

उत्तर : बंगला नं० 10 अलीपुर रोड

वक्षिण : बंगला नं० ८, अलीपुर रोड।

श्रीमती एस० के० औलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्रकाश ग्राही टी० एम० एस०-----

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रश्नोन्न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-I/
12-79/6066—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रश्नोन्न संख्या प्राविकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- व० से अधिक है
और जिसकी सं० 4/7 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 26-12-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के प्रश्नोन्न कर देने के अन्वयक
के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या बनाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रश्नोन्न निम्नलिखित अधिकारी, अर्जित:—

(1) श्रीमती रुक्मिनी एस० मीरचन्द्रानी विधवा श्री
सिंतल दास निवासी डी-6, निजामुद्दीन वैस्ट,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार पुन श्री भीम सेन कुमार, निवासी
3/88 रमेश नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी वाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वसंबंधी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिक द्वारा अधीक्षित वाजार के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 20-व में
परिभ्रान्ति है, वही पर्याय होगा, जो उस प्रधाय
में विद्या गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 4/7 ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में
स्थित है। जो कि लीज होल्ड प्लाट पर बनी हुई है। जो
कि निम्नलिखित प्रकार से विद्या हुआ है।

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

पूर्व : लेन

पश्चिम : मकान नं० 4/6।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
संख्या प्राविकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/12-79/3040—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० श्रीलख आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 26 है तथा जो नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के रायनग, विलो में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-12-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, कमल सिंह वर्मा, मुकेश वर्मा, पुत्र श्री हर नारायण निवासी 26-नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णावन्ती धर्मपत्नी चुम्ली लाल कुमार 10/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायांवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याय हांग, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० 26, नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग गांव के इलाके मावीपुर विली स्टेट, दिल्ली में स्थित है। जिस का क्षेत्रफल 550 वर्ग गज है जो कि निम्नलिखित प्रकार से घिरा हुआ है।

उत्तर : मकान जो कि प्लाट नं० 28।

दक्षिण : प्लाट नं० 24।

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : रोड।

श्रीमती एस० के० श्रीलख
सभी प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-7-1980

मोहर :

प्रसूप प्राप्ति दीप एवं एस०

(1) श्री एम० एल० खीतान, 176-ए, राजपुर रोड,
देहरादून।

(प्रस्तावक)

प्रायकर प्रबिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सर्वायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
 12-79/720—अतः मुझे आर० बी० एल० अवधार
 आगकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विवास करने का कारण
 है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-
 इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० जी-७ है तथा जो महारानी बाग, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में शांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं बिया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसके परिवर्तनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के दायित्व में कायी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(अ) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरमें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों अर्थात् :—

(2) श्रीमती राजरानी कपूर, पत्नी कर्नल जे० सी० कपूर, जी-९, महारानी बाग, न्यू दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

जो यह सुनना आरी करके पूर्वोक्त तत्परति के प्रमंग के लिए कार्यवाहियों केरता है।

उचित सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी धारकेप :—

(क) इस मूलता के राजपत्र में 'प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रदूषित या संस्थानकी घटनियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रदूषित बाद में संभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंतर घटनियों में से किसी घटनित हारा;

(b) इस सूचीना के राज्यपाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंवद्ध किसी प्रम्य व्यक्तिगत द्वारा, अवौधारणाशरी के पास लिंगित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-के में परिभाषित है, वहीं पर्यंत होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

अपासना

सम्पर्क नं० जी-११ महारानी बाग, नई दिल्ली।

श्री० श्री० एल० अग्रवाल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

तारीख : २-८-१९८०

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/पैस० आर०III/
12-79/721—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० ई-48 है तथा जो ग्रेटर कलाश II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्द्रभूषण दास गुप्ता, पुत्र एच० एच० दास
गुप्ता निवासी गोधाली ईक्कदा, खण्डपुर-721305
(अन्तरक)

(2) श्री गुरवक्ष सिंह, भोहन सिंह, 52/42, पजाबी
बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योद्युस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-48, खेलफल 250 वर्ग गज ग्रेटर कलाश-II
नई दिल्ली-48।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एम० आरा०-III/
12-79/218—अतः मुझे आरा० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वाक्षर पंजीयन त्रिवक्त उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से प्रधिक हैऔर जिसकी संख्या कुपि भूमि 4 बीघा 16 विश्वे है तथा
जो गांव खानपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपांडित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीर्हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 11-12-1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे उक्त विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्रसरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी धार्य की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धर्म या धर्म आस्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं प्राप्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;(1) श्री कैन्टन पुरुषोत्तम दत्त शर्मा, बी-4/32, सफदर-
जंग इलानेश्वर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैमज तिक इन्जीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
503, 701, महायोग भवन, 58 नेहरू प्लैस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवितरणों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवितरणों में से किसी अवितरण द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य अवितरण द्वारा, प्रधीनस्तानी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।कुपि भूमि क्षेत्रफल 4 बीघा, 16 विश्वे ट्यूब बैल,
3 फार्म हाऊस सहित, एक शेड, पानी का टैंक, जो कि
एक हाई और चारों तरफ तार लगे हुए हैं, बिजली की
मोटर, बिजली का कनेक्शन है। खसरा नं० 517 है,
स्थित है गांव खानपुर, तहसील महरोली, नई दिल्ली।आरा० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रकृष्ट आइ. टी. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ग० सी०/एक्य०/II/एम० आर०-III/
12-79/748—अतः भूमि, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-149 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अंतर्गत तारीख 17-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित भूमि वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृ-ई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धार्यत्व में
किसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आक्षकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रश्नोत्तरार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वथतः—

(1) श्री गुरवीन्द्र सिंह खुराना, निवासी ई-118
ईस्ट प्राफ कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल गुप्ता, निवासी-454 प्रेटर
वालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

2½ मंजिल इमारत वर्ती हुई है 149 ब्लाक ई,
जिसका क्षेत्रफल 251 वर्ग गज है जोकि स्थित है रिहायशी
नानोंनी जानी जाती है प्रेटर कैलाश-, नई दिल्ली जो कि
चारों तरफ से घिरी हुई है:—

पूर्व : सर्विस लेन।

पश्चिम : संकेत।

उत्तर : मकान नं ई-151

दक्षिण : मकान नं० ई-147

प्रार० बी० एल० अग्रवाल

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I; नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० ई० ए० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ए० आर०-III/

12-79/782—अतः मुझे आर० बी० ए० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 1/6 भाग ए 33 का है तथा जो कैलाश
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर,
1979 मेंको पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसर्यमान प्रतिफल से ऐसे दूसर्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के सिए;आर० बी० ए० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम का धारा 269-ए की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-216GT/80

(1) श्रीनंती रुना चटर्जी, 31, सात्रथ मलका, इलाहा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज सरदार एग्जीक्यूटर (प्राइवेट) लिमिटेड,
1147, चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'ज्ञात
अधिनियम', के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।द्वारा नं० ए-22, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48
का 1/6 भाग।

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्र० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० आर०-III/
12-79/783—अतः—मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश
कालोनी, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुरूपि
में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1979 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्त उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहित के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृहए था, छिपाने से सुविभाग
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः:—

(1) श्री प्रशीश कुमार गंगोली, पैक्स-1134, चितरंजन
पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्जं सरदार एमीबूटर प्राइवेट लिमिटेड
1147, चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

ईमारत नं० ए०-३३ कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-४८
का 1/6 भाग।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980।

मोहर:

प्ररूप थाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, विनांक 2 अगस्त 1980

निर्वेश सं. आई. ए. सी.०/एक्यू०/१/एल० आर०-III/
12-79/784—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या ए-33 ग का 1/6 भाग है तथा जो
कैलाश कालोनी, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
विसम्बर, 1974को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से उपावड़
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा
के लिए;(1) श्री शोनू मुकर्जी, 45-ई/४ पहली मंजिल मूरे
एवेन्यू, टोलीगंज, कलकत्ता-53।

(अन्तरक)

(2) मेर्सेच-सरदार एज्यूब्युटर प्राईवेट लिमिटेड
1147, चौबीसी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ईमारत नं. ए-33 कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-48
का 1/6 भाग।आर० बी० ए.ल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्लीतारीख: 2-8-1980
मोहर:अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-1/एस० आर०-III/
12-79/785—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश
कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979
को पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीर्ण/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)-
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

(1) श्री पी० के० मंगेली, 2/8, अमर ज्योती कोप-
रेटिव, हार्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, थाना।

(अन्तरक)

(2) मैर्स्ज सरदार एजीब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड,
1147, चूना मंडी, चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाबत में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ईसारत नं० ए०-33 का 1/6 भाग कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रूप आई. टी. एन. एस. —————

(1) श्री के० के० गंगोली, एम-78, ग्रेटर कैलाश पार्ट-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मसरू सरदार एंजीब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड, 1147, अंदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/एस० आर०-III/
12-79/786—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या एवं 33 का 1/6 भाग है तथा जो कैलाश
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर, 1979 कोको पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे अच्छने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकेपुः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकते।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत नं० ए०-३३, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-४८
का 1/6 भाग।आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-III/
12-79/787—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-33 का 1/6 भाग है तथा जो कलाश
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वंशित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्ति:—

(1) श्री ए० के० गंगोली, टोलीगंग, सरकलर रोड, कलकत्ता-53
निवासी बटाला । (अन्तरक)

(2) मैसर्स सरदार एंजीबूटर प्राईवेट लिमिटेड,
1147, चांदनी चौक, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिएके
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिन्दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रत्येक होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत नं० ए-33 कलाश कालोनी न्यू दिल्ली-48 का
1/6 भाग।

आर० बी० ए० अग्रवाल,
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980
मोहर:

प्रख्य आई०टी० एन० एस०.....
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के प्रधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-III/
 12-7०/7८९—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
 आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के
 प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
 अधिक है।
 और जिसकी सं० ई-38 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई
 दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-12-1979
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
 कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
 निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थत:—

(1) श्रीमती कान्ता धीर, 72 एम० नालिशा, बोमन
 जी, पेटी रोड, बम्बई-400036।
 (अन्तरक)
 (2) डॉक्टर कुलदीप सिंह, एम-161, ग्रेटर कैलाश-II
 नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 38, ब्लाक नं० ई, क्लैकफल 250 वर्ग गज
 रिहायसी कालोनी, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-48,
 पूर्व : प्लाट नं० ई-36
 पश्चिम : प्लाट नं० ई-40
 उत्तर : सड़क।
 दक्षिण : सर्विस लैन

आर० बी० एल० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-1980
 मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर-III/
12-79/790—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है।

प्रीर जिसकी सं० सी-126 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर,
1979 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर अन्तरिती
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथम:—

(1) श्री जसवीन्द्र सिंह बल्द धर्म सिंह निवासी-ए-2/
192, सफदरजांग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री रवीन्द्र कुमार जेटली, बल्द जगन नाथ शास्त्री
और श्री मति अमीता जेटली पत्नी रवीन्द्र कुमार
जेटली दोनों निवासी हैं 30-34 बेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों में से
किसी अविक्षय होता;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 126, ब्लाक नं० 6 पर 2-1/2 मंजिल
इमारत है। जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है जो कि
स्थित है ग्रेटर कैलाश-I, गांव याकूतपुर दिल्ली प्रदेश दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विस्ती-110002, विनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
12-79/797—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि 3.5 एकड़ है तथा जो
मकान गांव छत्तरपुर न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख दिसम्बर, 1978

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का अर्थात्:—

9-216GI/80

(1) प्रोफेसर विश्वन शर्मा कृषि कार्म, गांव
छत्तरपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मैसर्ज रोगर ओवरसीज प्राइवेट लिमिटेड,
2 सिधिया हाउस, जनपथ, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 3.5 एकड़ जिसमें एक
कमरा बना हुआ है जो कि स्थित है गांव छत्तरपुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1; नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आमकर आमूल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/
12-79/801—आतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा 269-प के
अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं०-540 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
झीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-12-79
को पूर्वोक्त उपलिखि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपत्ति के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि याचापूर्वोक्त उपलिखि का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्ति का पश्चात्
प्रतिकरण से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तुति के लिए वर्तमान पाया गया प्रति-
करण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरक लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरक से दूरी किसी आय की बाबत उक्त प्रति-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकतम में कमी
करने या उसके बजाए में सुविधा के लिए; प्रोटोकॉल

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1932 का 11) का उक्त अधिनियम, या अम-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिकी द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की आदा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की आदा 269-प की उपावारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्जातु:—

(1) श्रीमती ज्योत्सना राजन पसी डाक्टर डब्ल्यू०
सी० राजन, 14 ई, रिंग रोड, लाजपत नगर
IV, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी नवीन कुमार और सुनील कुमार
नियासी डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए जारीकारिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई सी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45
दिन की अवधि या तबसम्भवी अविकल्पों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में
से किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन-
बद्ध किसी अन्य अविकल्प द्वारा प्रबोधक्षमतारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एवं दूसरा:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई-540 खेतफल 580 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आमकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 2-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
12-79/815—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस०-248 है तथा जो प्रेटर कैलाश-II,
नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1979
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरण (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अपत्ति:—

(1) श्री शिव कुमार कोहली पुन श्री कुन्दन लाल कोहली, मोर्फत मैरेज बी० आर० के० इन्टर प्राइजेज, डाक बैगला, रोड, पटना।
(अन्तरक)

(2) श्री हरताम सिंह पुन श्रीमति मार्फत श्री सुरेश विरमानी एंड एसोसिएशन, ई-1, कनाट प्लैस, नई विल्ली-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तालंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाब में उमाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहाईसी प्लाट नं० एस०-248, प्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली, क्षेत्रफल 250 वर्ग मीटर (300 वर्ग गज)।

आर० बी० एल० अग्रवाल
संशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980
मोहर:

प्रलम्ब आई० टी० एल० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०-१/एस० आर०/III/
आर-79/823—यतः मुझे आर० बी० एल० अगवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बी०-195 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I, न्यू
देल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, न्यू
देल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 29 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अस्तरण से तुझे किसी आय की वापर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के वायिक्स में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
स्वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अवैद—

1. श्री एस० एन० चौपरा पुत्र बैज नाथ चौपर
रिहासी 8 लाई लिहा रोड कलकत्ता-6।
(अन्तरक)

2. श्री दीपक गही पुत्र मुलव राज गही माफत मैसर्ज
बुकारनर बी-10 कनाट प्लेस, न्यू देहली-1।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना
की तामोन से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक वार
में ममाल होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमद किसी
अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे

इटोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय 20-क में परिभावित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फो होल्ड निवासी सम्पत्ति नं० 195 ब्लाक 'बी' शेक्फल
512.5 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-I न्यू देल्ली जो कि आरों
तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व—सड़क

पश्चिम—ताला

उत्तर—प्लाट नं० बी-193

दक्षिण—प्लाट नं० 197।

आर० बी० एल० अगवाल
संस्थाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980
मोहर:

प्रलेप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक: 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III
12-79/824—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपचत बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 66 है तथा जो रिंग रोड, लाजपत नगर
न्यू दिल्ली में स्थित है (और इससे उपचत अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बारालिय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रशीन तारीख विसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बैनोलाल तीर्थदास नुग्हानार्नी वल्द श्री तीर्थदास
निवासी III-1/47 लाजपत नगर, न्यू देल्ली
मुक्तयारे आम ए० डी० नुग्हानी वल्द तीर्थदास
निवासी 1/47, लाजपत नगर, न्यू देल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार और हरीश चन्द्र पुत्र केशर दाम
प्ररोरा-68 रिंग रोड, लाजपत नगर, न्यू देल्ली।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए नायंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद किसी अन्य अवित्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मानन नं० 66 क्षेत्रफल-790 वर्ग गज, रिंग रोड, लाजपत
नगर, न्यू देल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 2-8-980

मोहर:

प्रस्तुत आई० बी० एल० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०/१ एस० आर०-III/12-79/845—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है

और जिसकी सं० II जे/37 है तथा जो लाजपत नगर, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुदित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चौथे से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अनुचित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आकित्यों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जस्तः उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुसारमें, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपाधा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवारूप:—

1. श्री देवकी नाथन पुष्ट केशर चन्द महगल निवासी-II एन-37 लाजपत नगर, न्यू देहली मुख्तियारे आम श्री पुष्पा रानी।

(अन्तरक)

2. श्री मुख्येन सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी बी-173 पूर्वी कैलाश न्यू देहली मुख्तियारे आम वक्तीस मिहू निवासी बी-173 पूर्वी कैलाश न्यू देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए कार्यवाहिकी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरां व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहृत्साक्षी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

एवं इत्यः—इनमें प्रयुक्त शब्दों और वदों ना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० II जे०-37, लाजपत नगर, न्यू देहली क्षेत्रफल 100 वर्ग मज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 2-8-1980

मोहर:

प्रकाशन क्रमांक ३० एन० ८८०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-12-79/1697--यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को उक्त विवाद करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसमें उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० आर०-551 है तथा जो न्यू राजिन्द्र नगर, न्यू दिल्ली में स्थित है और इससे उत्तरांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय न्यू दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 दिसंबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की याई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि वाचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिभान प्रतिक्रिया से ऐसे दृष्टिभान प्रतिक्रिया के नम्बर प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर्तः, प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशाखा (1) अधीन निम्नलिखित अधितयों, अवृत्त:—

- श्री आर० सी० मेहता वल्द कमचन्द महता, आर०-551, न्यू राजिन्द्र नगर न्यू दिल्ली।
(अन्तरकः)
- श्री हरवंश लाल वल्द रामदास, आर०-551 न्यू राजिन्द्र नगर न्यू दिल्ली और गुरुवरण लाल वल्द रामदास, 10071, नवाब गंज देहली।
(अन्तरकः)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आवधि या तत्त्वावधि अधितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वार्ष में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधितयों में से किसी अवधि द्वारा;

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि अधितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वार्ष में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अधितयों में से किसी अवधि द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अधिकता द्वारा, अप्रोट्राक्षरी के पास निवित में फिर जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के व्यापाय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होता, जो उस प्रयाय में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

ईमारत नं० आर०-551, न्यू राजिन्द्र नगर, जो कि चारों तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व—जी० बी० पी०

पश्चिम—लैन

उत्तर—सड़क

दक्षिण—सर्विस लैन।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 2-8-1980

मोहरः

प्रलेप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली 110002
नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस०आर०III/12-79/
813—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एग्रीकल्चर लैण्ड 23 विधा 19 विस्वा
है तथा जो गांव डेरा मंडी तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और गृण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 27 दिसंबर 1979

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:—

1. श्री राजा राम एलीस राजीव और रतन लाल दोनों
पुत्री भारत गांव डेरा मंडी नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती राजवन्ती सिंह बारा पुढ़ी श्री तारा सिंह बारा
निवासी 7ए फरीदकोट हाउस नई दिल्ली।

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणः:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कृषि योग भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 विधा और 19
विस्वा जो कि गांव डेरा मंडी में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली 110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०/III/
12-79/835--अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० 285 है तथा जो डिफेन्स कालोनी,
न्यू डेहली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
न्यू डेहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन नारीख दिसंबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याप की वावत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर वेदे के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वर्चन में
सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य प्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ऐसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित वर्कितियों अर्थात्:--
10--226GI/80

1. श्रीमती निर्मल ने० सेठी पत्नी कंबल विश्वन सेठी
और श्रीमती निर्मल एस० सेठी पत्नी सरबों
सेठी सी० 285, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती सुदेग थापर पत्नी जी० पी० थापर ए० 194
डिफेन्स कालोनी नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिधल युनिट 2½ मंजिल मकान नं० सी०-285
डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली, जो कि जिस प्लाट पर बनी हुई है
उसका क्षेत्रफल 335.4 वर्गमीटर है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी.एम. एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं. आई.ए.सी.ए.व्यू. 1/एसआर. III/12-79
842/ —अतः मुझे, आर. बी.ए.ल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
में प्रधिक हैऔर जिसकी सं. 5 है तथा जो एन. डी. एस. ई.
भाग-1 नई दिल्ली में स्थित है (इनमें उपावद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति
फल के लिये अस्वित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—1. श्री ठाकुर रत्न सिंह सी-27 रक्षा भवन मानसिंह रोड
नई दिल्ली।

(प्रत्तरक)

2. डा० हरी विश्वनव और डा० श्रीमती सरला नियशनव
91 रविन्द्रा नगर नई दिल्ली-3।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिक द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी भव्य अवित द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक सिंगल स्टोरी हाउस फी होल्ड प्लाट नं. 15 एक्स्ट्रा
5 जिसका क्षेत्रफल 271.2 वर्गमीटर है तथा जोकि कोटला
मुंबारकपुर गांव में स्थित है।आर. बी.ए.ल. अग्रवाल
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/I/एस० आर०-III/12-79/1687—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक हैऔर जिसको सं० प्लाट न० 5 ब्लाक X गोरीन पार्क न्यू
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्यू
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 18 दिसम्बर 1980को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूसरान प्रतिफल से एसे दूसरान प्रतिफल का पन्चव
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री नरेन्द्र नाथ बघवा बलद श्री सोहन लाल वस्यां
निवासी 238 डब्लू-स्टोरी राजिन्ड्र नगर न्यू देहली।
(अन्तरक)
- श्रीमती मिरदुला जैन पत्नी चिरंजी लाल जैन निवासी
2-एकम, गिरीन पार्क न्यू देहली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन को
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 5, ब्लाक एक्स, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज
प्रीन पार्क, न्यू देहली।आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1980

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/ एस० आर० 12-७९/८२०—यतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सहम प्राधिकारी को, वह विवाद करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० एच एस 25 है तथा जो न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गम्भीर प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से दुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के विवर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(म) ऐसी किसी आय या किसी बन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

1. श्रीमती ईश्वर देवी पत्नी स्वर्गीय अमीन चन्द्र अग्रवाल निवासी के-33 जंगपुरा एक्सटेन्सन, न्यू दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती किरन कांताबाला पत्नी आर० बी० कान्ता बाला और श्रीमती नलनी किरन कान्ता बाला पत्नी श्री के० आर० कान्ता बाला, दोनों को रिहाइस ए-164 डिफेन्स कालोनी नई देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए कार्याद्वियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी भावेष—

(र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रथा विवित द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबोधन:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्तों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथा होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बनी हुई है मकान नं० 25 ब्लाक एच एस कैलाश कालोनी न्यू दिल्ली जिसका अंतर्फल 167.23 है। जिसके चारों तरफ इस प्रकार है।

पूर्व—पैदल का रास्ता

पश्चिम—सर्विस लैन

उत्तर—प्लाट नं० एच-26

दक्षिण—प्लाट नं० एच० 24।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख: 12-8-1980

माहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री नारायण दास तौरमल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

2. श्रीमति अस्माबाई पत्नी इमदादालीए० मुकादम।
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1980

निदश सं० ए० आर०-1/4342. 18/डी०-79—यतः मुझे
जे० ए० ए० ने जाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस नं 1144, 20, 20, 24 पायथाला स्ट्रीट है तथा जो गिरावंव में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), अंजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 दिसंबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए,

यतः यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इप्पमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 297/79 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27/12/1979 के रजिस्टर्ड किया गया है।

जे० ए० ए० ने जाले
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 29-7-1980
मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जुलाई 1980

निर्देश सं ए० आर० 1/4338. 14/डी० 79—यतः
मुझे ए० एच० तेजालेआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के ग्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं सी० एस० नं 1444, अंबेवाड़ि है तथा
जो गिरगांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 29 दिसम्बर 1979 (विलेख नं 1082/
74/बम्बई)को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षत की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तराल के लिए
तारीख पाया गया प्रतिवर्ष, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षत
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनायम या
अनु-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनायं प्रत्यक्षता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में
सुविधा के लिए।उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
सख्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधरा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

1. (1) श्री महम्मद हुसैन रहिमतुल्ला जिनाय
(2) मैसेम जरीना इब्राहिम गुलाम हुसैन किमभाय
(3) हाजी भाई महम्मद जमाल
(4) श्री फाईत अलिमहम्मद फाईलभाय
(5) महोम्मद अलिभाय भानजी
(6) महोम्मद अलिभाय महोम्मद
(7) श्री इकबार अली अलिभाय प्रेमजी
(8) श्री इस्माईल जफेर मेहरली
(9) श्री मेहदि राजाबाली कासम
(10) श्री युस्फलु अबदुल्ला फाजलभाय
(11) श्री रहिम करीम मिस्री
(12) श्री अलिभाय जह्वेर माधानी
(13) श्री कासम अली गलाम हुसैन दूस्तानी।

(अन्तरक)

2. मैसेस लखानी (प्राइवेट) लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. किरायेदार

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबन्ध बाद में
समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं 1082/74/बम्बई उप
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-12-1979 को
रजिस्टर्ड किया गया है।ए० एच० तेजाले
सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख : 29-7-1980

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

1. एम्पायर डाइंग और मैन्यूफैकरिंग कं. लिमिटेड
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना2. श्री महमद हसैन शंखग्राली बरडावाला, सुलतान
अली शेखग्राली बरडावाला, गमनसाल एम०
मेहता
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1980

निर्देश सं० ए० आर०-१/4337-13/दिसम्बर ७९—
आ०: मुझे, ए० एच० तेजालेआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एस० नं० 412 (पार्ट) है तथा जो
तड़देव लिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26 दिसम्बर 1979को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित निर्देश में अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अवधि के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधीक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से-
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की
पास लिखित में किए जा सकें।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण में है कि सीधी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3632/73/बम्बई उपरजि-
स्ट्रार प्रधिकारी द्वारा दिनांक 26-12-79 को रजिस्टर्ड किया
गया हैए० एच० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 30-7-1980

मोहर:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प में
मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-प की उपवारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि, :—

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० एश्वार- /ए०पी० 349/80-81—यतः मुझे
ए० एच० तेजाले

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-व के अधीन सक्त विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिपहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० सी० टी० एस नं० और 429 430 और 430/ से 430/11 एस नं० 64/1 पाठ 1 एस नं० 64/1 पाठ 2, एस नं० 119/1 और 2 हैं तथा जो एस वी० रोड अंधेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च 1980 (विलेख नं० एस० 1641/79) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिगत में अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षी) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तर वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य न उक्त प्रत्यक्षण विधिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई निरी आव की बाबत, उक्त अधिनियम ने अधीन कर देने के अन्तरर के शायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य प्राप्तियों से, जिन्हें भारतीय प्राचीर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित विधियों अन्तर्तः:—

1. श्री मुरेन्द्र मनसुख पटेल, विरेन्द्र मनसुख पटेल, महेन्द्र मनसुख पटेल, नरेन्द्र मनसुख पटेल
(अन्तरिक)
2. मैसर्म अलका कंस्ट्रक्शन कंपनी
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या उसके अंतिमों पर सूचना की नामीक ने 30 दिन की अवधि, जो भी प्रत्यक्ष आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विधियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितवद्व ऐसी प्रथा व्यक्ति द्वारा अशोहस्त्राभरो के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

दब्दीहरण:—दब्दीमें प्रमुख शब्दों प्रीर फर्दों हाँ, जो उक्त अधिनियम के प्रठाय 20-ह में परिभ्रान्ति हैं, वही प्रथा होगा, जो उस प्रथाय में विद्या गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 1641/79 उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 3-3-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० एच० तेजाले
सक्त प्राधिकारी,
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रकाश प्राइंटी०एन०पैस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26०-व (1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राधिकरण (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१ बम्बई

बम्बई, दिनांक 1 अगस्त 1980

निम्नें सं ए०आर०-१/४३४४-२/जन-८०—यत, मुझे, ए० ए० ए० तेजाले,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 26०-व के पश्चीम संशम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4/वी है तथा जो मालाबार कंबला हिल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के पश्चीम, तारीख 9 जनवरी 1980

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अनुसूचित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का एकहंश प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया जाया प्रतिक्रिया, विन्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष लिखित में वास्तुविक कर्म से कठिन नहीं किया जाया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु मालियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावधि प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26०-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26०-व की उपधारा (1) के अधीन, विन्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. श्री जयकिनदास बालचंद्र पमनानी

(अन्तरक)

2. कुमारी परविन एस० इरानी, मिसेज दौसत एच० दुंगाजी

(प्रत्यक्षिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्त की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्यद्वारा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर अधिकारी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में व्यक्त की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्यापार 20-क में परिचालित हैं, वही वर्ण होया जो उस व्यापार में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3032/71 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 9-१-१९८० को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ए० ए० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-१, बम्बई

तारीख: 1-८-१९८०

मोहर:

प्रदूष प्राई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार।

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कनापुर, दिनांक 1 अगस्त 1980 .

निदेश सं० 1649-ए०/हरिद्वार/79-80—अतः मुझे
बी० सी० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 25000/-
रु० से अधिक है
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21 दिसम्बर 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप के अचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से तुरै किसी आय की वापत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या छिसी वस या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या व्यव-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अधीतः—

- प्रखाडा पंचायती श्री निरन्जनी मायापुर हरिद्वार
द्वारा महम्मत रूप गिरी जी, व हरदयाल गिरी जी
निवासी उक्त सभा
(अन्तरक)
- श्रीमती मोहनी देवी पत्नी वसन्त सिंह बर्मा निधासी
मोहनी निवास निरन्जनी प्रखाडा हरिद्वार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जाए करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति।—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों
में से किसी अवक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषत शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 3000 वर्ग फुट स्थित निरन्जनी प्रखाडा हरिद्वार
में स्थित है जो कि 43,500 रु० में बेचा गया है

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख :— 1-8-1980

मोहर:-

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की धारा
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

फार्मलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 1 अगस्त 1980

निदेश सं. 1531-ए० मरठ/78-80—उक्त मुक्ते बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो ब्रह्मापुरी मेरठ में स्थित है
(और इससे उपावद्वा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

18 दिसंबर 1979

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिमान प्रतिफल से, एसे अधिमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अन्तरण
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जीरु/मा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र को उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री किरण कुमारगुप्ता श्री स्व० लाला ब्रदी प्रसाद
246 ब्रह्मापुरी मेरठ
(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह जैन पुत्र श्री लाला सुश्वर लाल
जैन निवासी 233, 234, हाल नम्बर 96/1
ब्रह्मापुरी मेरठ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत समति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान एक मंजिला जिसका नम्बर 233 व 234
मोहल्ला ब्रह्मापुरी मेरठ में स्थित है जो कि 35,000 रु. में
भेजी गई है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980
मोहर:

प्रस्तुत भाई० टी० एन० एस०—
भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980
निर्देश सं० 1411-ए/रुडकी/79-80—यतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० है तथा जो सिविल लाइन में
स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुडकी में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
‘धौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसे भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्:—

1. डा० राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री दयाराम निवासी
30 ए० सिविल लाइन रुडकी, जिला सहारनपुर।
(अन्तरक)

2. श्रीमति मुरैना श्रावणा धर्मपत्नी श्री भ्रार० सी० श्रावणा
निवासी 16 सिविल लाइन रुडकी सहारनपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस मूच्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक टुकड़ा भूमि जिसका धोकाफल 3672 वर्ग फुट होता
है स्थित सिविल लाइन रुडकी जिला सहारनपुर में स्थित है
जो कि 47738/ए० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी
सभाम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश मं० 1462 प०/रुड़की /79-80—अतः मुझे-
बी० सी० चतुर्वेदी,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी मं० मकान है तथा जो मकतुलपुरी में स्थित
है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
31 दिसम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रदर्शन
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभावण के लिए तथा पात्र गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभावण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अनुरण से ही इसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाके में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-
सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अवधीन:—1. श्री दिनेश चन्द्र पुजा श्री खजानचन्द्र निवासी रेखे
स्टेशन रोड़ मकतुलपुरी रुड़की सहारनपुर।
(अन्तरक)2. श्रीमती प्रेमवती गुप्ता पत्नी प्रेमचन्द्र गप्ता व पुरुषोत्तम
दास बंसल पुत्र श्री स्व० ला० शोभाराम निवासी
48 सिविल लाइन रुड़की, सहारनपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रबंधन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अविक्षयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षयों
में से किसी अविक्षय द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्षय द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी वे
पास सिद्धित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के प्रथमाय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रथमाय
में दिया गया है।

पंचांग

एक किता प्रहारा पूर्व मुहूरा क्षेत्रफल 2475. 50 वर्ग
फुट है नम्बरी 39 मो० मकतुलपुरी तह०, रुड़की सहारनपुर
में स्थित है जो कि 60,000 रु० में बेचा गया है।बी० सी० चतुर्वेदी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र० श्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्री अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1410-ए/हापुड/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान 48 है तथा जो रघुवीर गंज में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री मुश्ती लाल गोड निवासी 48, रघुवीर गंज, हापुड जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. सरदार सुरेन्द्र पाल सिंह पुत्र सरदार गुरदीप सिंह व सरदार जग सिंह पुत्र श्री तारा सिंह निवासी 48, रघुवीर गंज, हापुड जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में होई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान एक मंजिला भेवफल 200 वर्गमीटर मो० 48 रघुवीर गंज, हापुड जिला गाजियाबाद में स्थित है जो कि 30,000/- रु० में बेचा गया है।

बी० सी० चतुर्वेदी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 6-8-1980

मोहर :

प्र० प्र० प्र० एन० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1449-गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे,
बी० सी० चतुर्वेदी,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक हैऔर जिसकी सं० 116 प्लाट है तथा जो कडकड मंडल में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 21-12-1979 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रन्तरण से हुई हिसो प्राप्त की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धारा या धर्म प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, मत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रन्तरण में,
मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधारित :—1. मैसर्स आर्यन ब्रादर्स प्रा० लि०, 1170 कन्ना महाजनी
चांदनी चौक, देहली।

(प्रन्तरिक)

2. श्री मदन लाल गुप्ता, पवन कुमार गुप्ता पुत्र कुन्दन
लाल गुप्ता, गुरदेव गुप्ता अणोक कुमार गुप्ता,
गिल कालोनी सहारनपुर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्वन के
लिए कार्यवाहियो करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु
किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पर्दो का, जो उक्त
प्रधिनियम के धर्माय 20-क में परिचायित
हैं, वही पर्याय होगा, जो उस धर्माय में
विद्या गया है।

अनुसूची

एककिता प्लाट क्षेत्रफल 1368.83 वर्गगज, नम्बर 161
प्रकाश इंडस्ट्रीयल स्टेट कडकड मंडल ग्यानी बोर्ड के समीप
जिला गाजियाबाद में स्थित है तथा जो 41,064.90 रुपये
में बेचा गया।बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 1-8-1980

मोहर :

इकाय प्राई. टी. एम. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, विनांक 6 अगस्त 1980

निदेश सं. 1412-ए/मेरठ/79-80—यतः मुझे, बी० सी०
चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पावात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. मकान 209 है तथा जो बेस्ट एण्ड रोड में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख
6-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष्य अतिशय अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप तरियत नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने वें सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, किपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बपवारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दलोपकुमार गुप्ता पुत्र श्री लाला भगवत दयाल
गुप्ता निवासी बंगला नम्बर 229 लस्ट एण्ड रोड,
मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

2. सरदार हरखंश सिंह पुत्र श्री खेल सिंह व भगवत सिंह
व सुमेर सिंह जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री दीवान सिंह
निवासी 209 बेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी पन्थ अवित्त द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं. 209 बेस्ट एण्ड रोड मेरठ कैन्ट,
पर स्थित है तथा जो 80,000/- रुपए का बेचा गया।

बी० सी० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1980

मोहर:

प्रस्तुप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेदण सं० 1468-ए/गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे,
मैं ० स० चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो पसौडा में स्थित है (श्रौर
इसमें उपाखड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12 दिसम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कर्ता करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति:—
12-216 GI/80

1. श्री राम प्रकाश गोपन पुत्र स्व० ब्रह्मानन्द निवासी
फल्लू, नगर परालोरी; तह० व जिला गाजियाबाद।
(अन्तरक)
2. श्री रोशन लाल व मुरेश कुमार पुत्र श्री लाला त्रिलोकी
चन्द्र खंडेलवाल निवासी; बडोत जिला मेरठ वर्तमान
निवासी; डी/१९४ विवेक विहार, देहली-३२।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्तापिती के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवासिक प्लाट नं० 11, 12, 13, 14 जो आपम में मिले
हुए हैं क्षेत्रफल 2400 वर्गमीटर है। जोकि 43,200/- रु०
में बेचा गया है।

मौ० सी० चतुर्वेदी
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर, आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-8-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सामायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1597-ए/कानपुर/79-80—यतः मुझे, वी० स००
चतुर्वेदी,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्नत प्रधिनियम' कहा गया है), को आय
269-ष के प्रधीन सम्प्रभु प्राधिकारी को, यह विवाद करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 88/545 तथा जो प्रेमनगर में स्थित
है (और इससे उपांचल अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्री-
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
31 दिसम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूर्ण प्रद
विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समानि जा
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिभाव प्रधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल विमुक्तिवित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अवित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनु-
सरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपायार-
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्ति:—1. सर्वेश्वर मानसेन्द्र गंगोली, रमेन्द्र कुमार गंगोली, शैलेन्द्र
कुमार गंगोली, 88/545 प्रेमनगर, कानपुर।
(अन्तरक)2. श्री मोहम्मद अहमद निवासी 98/56 बेकनगंज कानपुर,
अब्दुल कादिर निवासी सुजरतगंज, अब्दुल माजिद
निवासी 181/3 जूही कानपुर, शमीमउद्दीन निवासी
99/143 मोहन्ला कन्धी मोहाल, मुशाक निवासी
88/148 चमनगंज, कानपुर।
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधेन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधेन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर सूचना की
नामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।संख्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उन प्रधायाय में दिया गया है।

मुद्रित

माला नम्बर 88/545 प्रेमनगर, कानपुर में स्थित है जो
कि 1,50,000/- रु० में बेचा गया है।बी० सी० चतुर्वेदी
[सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रूरूप आई० टी० एन० एस० —————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक: 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1551-ए/मेरठ/79-80--यतः मुझे बी० सी०
चतुर्वेदी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी मं० मकान नं० 10 व 11 है तथा जो मालवीय
चौक में स्थित है (और इसने उपांचल अनुमूली में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजस्ट्रीशन अधिकारी के कार्यालय मेरठ
में, रजिस्ट्री-कारण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) वा
अधीन तारीख 24 दिसंबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण । लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आवं की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आवं या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम निशन दाम उर्फ बुद्ध प्रकाश पुत्र ला० राज
कुमार निवासी मां० जत्तीवाडा, शहर मेरठ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती हर प्यारी देवी मैमोरियल चैरिटेबिटियल द्रस्ट
रज० मालवीय चौक मेरठ बजारिये श्री ओम प्रकाश
पुत्र ला० न्यादरमल मंडी निवासी मालवीय चौक,
मेरठ।
(अन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

ममसूची

ए० फिला मकान नं० 10 व 11, 450 वर्गज भ००
जर्जवाडा शहर मेरठ में स्थित है जो कि 70,000/- रु० में
बेचा गया है

बी० सी० चतुर्वेदी
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 6-6-1980
माहर:

प्रस्तुत आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० 1450-ए/गाजियाबाद/79-80—यतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सम्म माधिकारी को, पहुं विश्वास करने का कारण है कि धारावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जी०टी० रोड, मेस्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28 दिसम्बर 1979

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि धारापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बच्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनुसरकों) और अन्तरिती (अनुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारतविक रूप से किए नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से उई किसी आय की शावा दृत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अनुरक्त के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; पौर/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनुरिती द्वारा प्रवाट नहीं किए गया या या जिस बाबा चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प की उप-धारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः :—

1. श्रीमती पुत्पारानी चड्डा पत्नी स्व० राजेन्द्र चड्डा निवासी माडल टाऊन 120 गाजियाबाद।
(अन्तरक)

2. मैमसं श्रीमिया कारपोरेशन इण्डिया प्रा० लि० 19 ब्रिटिश इण्डिया स्ट्रीट कलकत्ता। द्वारा प्रतिनिधि सज्जन कुमार जैन पुत्र श्री प्यारेनाल जैन।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अवंत के लिए रायंवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के संबंध में कोई भी धारणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में ले किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हिस्बद जिसी धन्य अवधि द्वारा, अधोलिखित अर्थ के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पहें ला, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभासित हैं वही अर्थ होंगा, जो उक्त अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नम्बर 1/4 15 पुक्ता स्थित जी०टी० रोड माथका प० कैवी ठीक गाजियाबाद में जो कि 112,290 रु० में बंची गयी है।

बी० सी० चतुर्वेदी
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 1-8-1980
मोहर:

प्रृष्ठ पाई. टी. एन. एस.-----

1. मैर्स निडे सैन्डल जूट मिल कं. लि. ०।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

2. कुमारा निटा गोपल

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं. ए.सी.० ३१/रेंज- /कल०/१९८०-८१—यतः
मुझे के० मिहा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और निम्नकी १० 107 है तथा जो दूसरी विलेन बालि,
हावड़ा में स्थित है (और इसके उपावन्ध अनुयुची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के० कार्यालय कलकत्ता
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत
तारीख 28 नवम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, एसे दूसराना प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्तों
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त बूबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वस्थन्धि व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
रखा जाए।

अनुसूची

107 जया बीबी लेन, बाली, हावड़ा से 5 काठा 5
छटाक 22 स्कोपर फुट लंबाई का सब कुछ जैसे 1979 का
डोड सं. 10096 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० मिहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रारूप आई-टी-एम-एस—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-VI कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं. एसो-32/एम्प्र आर०-IV/कल/80-81—यतः
मुझे के० सिन्हा,ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. 107 है, तथा जो ज्याबिबि लेन हावड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28 नवम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत 'उक्त अधि-
नियम', के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियतयों
को, जिन्हे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, ग्राम, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः:—

1 मैसर्सं नीड सेन्ट्रल जूट मिल कं. लि०।

(अन्तरक)

2. श्री अक्षय कुमार गोपल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेष्टः:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षितिजद्वारा
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107, ज्याबिबि लेन थाना बाली, जि: हावड़ा में 5
का० 1506.29 स्केयर० फीट० जमीन का सबकुछ जैसे 1979
का दलिल सं. 10095 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।के० सिन्हा
सकाम ग्राम्यकारी
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज IV, 54, रफी अहमद किंदवर्द्दी रोड कलकत्ता
तारीख: 1-8-1980
मोहर:

प्रस्तुत वाई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-प (1) के प्रभीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० एसी-३३/एव्य०आर०-IV/कल/८०-८१—यतः
मुझे के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-प के
प्रभीन सकाम प्राधिकारी को पहले विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 107, है तथा जो जया विवि लेन हावड़ा में
स्थित है और इसी उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 28 सप्टेम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिक्रम के निए प्रत्यक्षरित की गई है पौर मुझे पहले विश्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके
वृद्धमान प्रतिक्रम से ऐसे वृद्धमान प्रतिक्रम का परदह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षरूप) और अन्तरिरी
(अन्तरिक्षरियों) के बीच ऐसे परन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिक्रम निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रत्यक्षरण लिखित से
वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरम से ही किसी प्राय की वारत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधोत रुप देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उत्तम बचने में सुविधा
के लिए; भीर/या

(क) ऐसी जिसी आदि या किसी उन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनाने
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रधोत्रनार्थ प्रत्यक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए;

इतना अब, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-प के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-प को उपबारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

1. मैरसे न्यू सेन्ट्रील जैट मिल क० लि०।
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्याप्त संबंध में कोई भी प्रावेष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उत्तरवादी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाबू में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किनी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपाव
कियी गयी व्यक्ति द्वारा प्रधोत्रिती के पास निश्चित
में किए जा सकेंगे :

प्रधोत्रिती:—इसमें प्रधोत्रा शब्दों प्रोट पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधोत्र 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा, जो उन प्रधोत्राय में दिया गया है।

अनुसूची

107, जया विवि लेन, थाना बालि जिला हावड़ा
में 6 का० 126.25 वर्ग फुट जमीन का संबक्षण जैसे
1979 का दलिल सं० 10094 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
54, रक्षी अहमद किदवर्ही रोड,
अर्जन रेज-IV कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईटी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 1 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए० सी०-३४/एक्यू० प्रार०-IV (कल/80-८१—
यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभाव से 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 107 है तथा जो जया विवि लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उचित में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्,—

1. न्यू सेन्ट्रल जूट मिल कं० लि०

(अन्तरक)

2. कुमारी कमिता अग्रवाल।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107, जया विवि लेन, थाना बलि, जि० हावड़ा में 6 का० 106, 18 स्के० फि० जमीन का मुबकुछ जैसे 1979 का वलिल सं० 10093 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 54, रफी अहमद किशवर्ह रोडकलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना

1. मैसर्स न्यू० सेन्ट्रल जूट मिल क० लि०।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश जैन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1980

निर्वैशासं-ए० सी-35 क्यू० आर० IV/80-81—अत मुझे
के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
जिसकी सं० 107 है तथा जो जया बिबि लेन बाली,
हावड़ा में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और, पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 28 नवम्बर 1979
को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पश्चह प्रतिशत से अधिक है और
प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उक्त रूप से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रमाणः—को यह सूचना आरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के बजेन के
लिए कार्यवाहियों बताता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी अधिकारी पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक अधिकारी में से
किसी अधिक द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं,
वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

107 जयाबिबि लेन, बाली हावड़ा में 6 कट्टा 10 छटाक
18 स्केयर कूट जमीन का सब कुछ जैसे 1979 का दलिल सं०
10092 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV,

54, रफी अहमद किल्वर्ह रोड, कलकत्ता

तारीख: 1-8-1980

मोहर :

प्रस्तुत वाइर० टौ. एम. एस.-----

1. श्री शंकरानन्द बनर्जी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बाबूल, अपु, तपन साहा।

(अन्तरित)

भारत सरकार

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं. ए०सी०-४६/एक्य० आर०-IV/कल/८०-८१—
यत मुझे के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. दाग सं. 587/2482 है तथा जो थाना
बरानगर जिला 24-परगना स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
काशीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14 नवम्बर 1979

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राई मोहन बनर्जी रोड थाना बरानगर में 15 का०
56.21 वर्ग फुट जमीन का सबकुछ जैसे 1979 का दस्तिल
सं. 7339 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-IV,
54, रफी अपहमद किल्डर्ह रोड, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारता(1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः—

तारीख: 6-8-1980
मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अगस्त 1980

निर्देश सं० ए०सी०-४७/एक्य०-आर०IV/कल/8 ०-८ १—यतः
मुझे के० सिन्हाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व
के अधीन सकल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि इवाचर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० 12 है तथा जो चंडि चरण बनर्जी लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कशीपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 7 नवम्बर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहांपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्ते
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल
अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तररक्षा) और प्रस्तरिती (अस्तरितियाँ)
के बीच ऐसे प्रत्यरोपण के लिए तथा पावा या प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रस्तरक प्रस्तरिती में वास्तविक कष से कठिन नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उक्ते बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अवौद :—1. श्री आशालता बसाक, देखो राम बसाक, जोति कना
बसाक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गायत्री बसाक।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति हेतु अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्त्वसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी पर्याप्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।उपर्योक्तम् :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में निर्दिष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12 चण्डी चरण बनर्जी लन, बराहनगर कलकत्ता-35,
में 1 काठा 13 छटाक 19 वर्गफुट जमीन का साथ मकान का
सबकुछ जैसे 1979 का बलिल सं० 7213 में और पूर्ण रूप
से वर्णित है।के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV,
54, रफी अहमद किल्डवई रोड कलकत्ता-16

तारीखः 6-8-1980

मोहरः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज-IV कलकत्ता

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1980

निवेश सं० ए०सी०-48/एक्य० आर०- /कल/8 ०-८ १—
यतः मुझे के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प्र के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग 1083 है तथा जो छोटनीलपुर, बर्धमान में स्थित है (और इससे उपाबृक्ष अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बर्धमान में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 दिसंबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्तः, अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प्र के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धीरेन्द्र नाथ घोष।

(अन्तरक)

2. श्री शांति प्रत घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 1083, छोटनीलपुर, बर्धमान में 10 काठा जमीन पर मकान का सबकुछ जैसे 1979 का दलिल सं० 7869 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिन्हा
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV 54, रफी अहमद किलबहू रोड कलकत्ता

तारीख: 6-8-1980

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd July 1980

No. A. 12019/1/79-Admn.II.—Shri K. Sundram, Senior P.A., in the Office of the Union Public Service Commission, is hereby appointed to officiate on *ad-hoc* basis as Special Assistant to Chairman on transfer on deputation for the period of three months with effect from 30-6-1980 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri K. Sundram will be on deputation to the *ex-cadre* post of Special Assistant to Chairman and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance, Department of Expenditure O. M. No. F. 10 (24). E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th August 1980

No. A-19021/1/78-Ad.V.—Shri M. Tumsanga IPS (1969-West Bengal) relinquished charge of the office of Supdt. of Police (Asstt. Director), C.B.I., S.P.E. on the forenoon 2 JUNE, 1980. His services were placed back at the disposal of State Government.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation.

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 5th July 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Visakhapatnam Shri K. L. Luke assumed the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, CPT Cochin w.e.f. the forenoon of 11th July, 1980.

No. E-38013 (3)/9/80-PERS.—On transfer to Durgapur Shri S. L. Prasad relinquished the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, FCI (PSD) Dighaghata w.e.f. the afternoon of 19th July, 1980.

No. E-38013 (3)/9/80-PERS.—On transfer from Cochin Shri P. Balakrishnan Pillai assumed the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, FACT, Udyogamandal w.e.f. the afternoon of 9-7-1980 vice Shri KRC Nair, Asstt. Comdt. who relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Calcutta Shri V. Louis Raj relinquished the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, MAPP Kalpakkam w.e.f. the afternoon of 21st July, 1980.

No. E-38013(3)/8/80-PERS.—On transfer to Rourkela Shri N. K. Sen relinquished the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, B.I.L. Bhilai w.e.f. the afternoon of 16th July, 1980.

No. E-31013(3)/1/80-PERS.—On his appointment as Accounts Officer, on *ad-hoc* basis, Shri R. S. Negi assumed the charge of the said post w.e.f. the forenoon of 24th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Farrakka Shri S. B. Chaudhary assumed the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF, FPDII, Sindri w.e.f. the forenoon of 12th July 80.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Tuli (Nagaland) Shri M. S. Bose assumed the charge of the post of Asstt: Comdt (JAO) E.Z. HQs, Calcutta, w.e.f. the forenoon of 17th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer from Bhilai Shri H. V. Chaturvedi assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, Trg. Reserve (N&W Zone), CISF, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 16th July 80.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Paradip Shri U. P. Behera relinquished the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, A. S. P. Durgapur w.e.f. the afternoon of 12th July, 1980.

No. I-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Madras Shri A. K. Sengupta relinquished the charge of the post of Asstt: Comdt, CISF Unit, A. S. P. Durgapur w.e.f. the afternoon of 15th July, 1980.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Rourkela Shri Y. P. Jogewar, relinquished the charge of the post of Asstt : Comdt, CISF Unit, SPM Hoshangabad w.e.f. the afternoon of 14th July, 1980.

The 7th August 1980

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Sindri Shri S. B. Chaudhary relinquished the charge of the post of Asstt- Comdt F. B. P. Farrakka w.e.f. the afternoon of 2nd July 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asstt. Inspector General (Pers)
CISF HQs.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th August 1980

No. 11/126/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Bholanath Sarma, an Officer belonging to the Assam Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Assam, Gauhati, by transfer on deputation, with effect from the afternoon of 2 July, 1980, Until further orders.

The headquarter of Shri Sarma will be at Gauhati.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Sarkar, an officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Dy. Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 18 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sarkar will be at Calcutta.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Ghosh, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9th July, 1980 until further orders.

The headquarter of Shri Ghosh will be at Howrah.

No. 11/11/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Chakraborty, an Officer belonging to the West Bengal Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 11 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Chakraborty will be at Burdwan.

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Naresh Chandra Dutta, an officer belonging to the Orissa Administrative Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations,

Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9 July, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Dutta will be at Cuttack.

No. 11/53/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Deputy Secretary to Govt. of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, Shri T. V. Srinivasan relinquished charge of the office of the Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, with effect from the forenoon of 18th July, 1980.

2. The President is pleased to appoint Shri T. V. Srinivasan, Deputy Secretary to the Govt. of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, as Deputy Director of Census Operations in an *ex-officio* capacity in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, with effect from the forenoon of 18th July, 1980, until further orders.

3. The headquarters of Shri Srinivasan will be at Madras.

No. 11/53/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Joint Secretary to the Government of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, Shri A. P. Muthuswami relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu with effect from the forenoon of 18th July, 1980.

2. The President is pleased to appoint Shri A. P. Muthuswami, Joint Secretary to the Government of Tamil Nadu in the Public (Census) Department, as Director of Census Operations, Tamil Nadu, in an *ex-officio* capacity, with effect from the forenoon of 18th July, 1980, until further orders.

3. The headquarters of Shri Muthuswami will be at Madras.

The 6th August 1980

No. 11/56/80-Ad.I.—Consequent on his appointment as Joint Secretary (Census) to the Government of Andhra Pradesh, General Administration Department, Shri S. S. Jaya Rao relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh with effect from the forenoon of 23rd July 1980.

2. The headquarter of Shri Jaya Rao will be at Hyderabad. Rao, Joint Secretary (Census) to the Government of Andhra Pradesh, General Administration Department, as Director of Census Operations, Andhra Pradesh in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 23rd July, 1980, until further orders.

2. The Headquarter of Shri Jaya Rao will be at Hyderabad.

No. 11/124/79 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Sood, Deputy Director in the Bureau of Economics & Statistics under the Government of Sikkim, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations Sikkim, Gangtok in an *ex-officio* capacity with effect from the forenoon of 1st April, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Sood will be at Gangtok.

The 8th August 1980

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 22nd April, 1980, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri K. N. Pant, Hindi Translator in the Secretariat at Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation, upto 31st December, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions.

2. The headquarters of Shri Pant will be at New Delhi.

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri L. K. Chaturvedi, an officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation with effect from the afternoon of 19 May, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Chaturvedi will be at Udaipur.

3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 17 June, 1980.

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Bhargava, an officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 13 May, 1980, until further orders.

2. The headquarter of Shri Bhargava will be at Ajmer.

3. This issues in supersession of this office notification of even number dated 27 May, 1980.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

(INDIAN AUDIT AND ACCOUNT DEPARTMENT)

THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th August 1980

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri S. A. M. Naqui, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-80 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri V. N. Venkatasubramanyam Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-5-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri K. S. Subramaniam Accounts Officer, Officer of the Accountant General I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri V. Krishna Rao Accounts Officer, Office of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-1980 AN.

No. Admn.I/8-132/80-81/189.—Shri K. V. N. Avadhani Accounts Officer, Officer of the Accountant General-I/II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 31-7-80 AN.

N. SUKUMARAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (II),

WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 23rd April 1980

No. I.A/Admn.I/11.—The conditions precedent to the grant of Pre-forma promotion under "next below rule" below F.R. 31(1) having been fulfilled Shri Tulsi Charan Banerjee, permanent Section Officer of this office, now on deputation to the Govt. of West Bengal, in the Education Department has been granted proforma promotion on *ad-hoc* and provisional basis as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-1200 in his parent office w.e.f. 1-4-80 (F.N.) the date his immediate junior Shri Usha Ranjan Thakur took over charge in this office and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High-Court case and will be subject to the final decision of the Court Case filed against union of India and others under C.R. case no. 1481(W) of 1979.

The 9th June 1980

No. I.A.602.—The Accountant General-II, West Bengal has been pleased to appoint on *ad hoc* and provisional basis the following permanent and officiating Section Officers to officiate as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 9th June 1980 or the date on which they actually take over charge as Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal whichever is later and until further orders:—

- (1) Sri Satyabrata Dutta
- (2) Sri Bibhuti Bhushan Das (1)
- (3) Sri Manmatha Nath Mandal (S/C)

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to final decision of the court case filed against the Union of India and others under C.R. Case No. 14818(N) of 1979.

All the *ad hoc* promotions indicated above, are also subject to final orders of the Supreme Court of India in the Civil Appeal No. 1584 to 1588(N) of 1973 and Civil Appeal No. 2104-2105(N) of 1979.

B. N. DUTTA CHOWDHURY
Examiner of Local Accounts,
West Bengal

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE
SERVICE & LABOUR INSTITUTE

Bombay-400022, the 8th August 1980

No. 15/22/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri N. Ravindranathan, as Productivity Officer (Statistical) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay in a temporary capacity with effect from the forenoon of 15th July, 1980 until further orders.

DR. S. S. RAMASWAMY
Deputy Director General

MINISTRY OF COMMERCE
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
New Delhi, the 2nd August 1980
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/873/69-Admn(G)/4817.—Shri M. M. Solanki, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay was permitted to retire voluntarily from Government Service with effect from the 10-6-1980 (F.N.).

P. C. BHATNAGAR
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS
New Delhi, the 31st July 1980
CORRIGENDUM

No. A-32013/2/80-Admn.II(A).—In this Office Notification No. A-32013/2/80-Admn.II(A) dated the 28th June, 1980 the date of appointment of Shri V. Krishnaswamy

Iyengar as Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Madras *viz.* “forenoon of 7th June, 1980” appearing in second line may be substituted as “afternoon of 7th June, 1980”.

The 1st August 1980

No. A-12025(i)/2/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 19th May, 1980 and until further orders Shri Doniparthi Jayaramaiah as Senior Lecturer in Textile Designs in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

N. P. SESHADRI
Jt. Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 8th August 1980

No. A.19012(128)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri H. V. Nagaraj, Permanent Senior Technical Assistant (Min. Engg.), Indian Bureau of Mines, is promoted to officiate as Assistant Mining Engineer, a Group ‘B’ post in this Department, with effect from the forenoon of 10th July, 1980 until further orders.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 4th August 1980

No. C-5646/579-A.—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Assistant Stores Officer (GCS Group ‘B’ post) are confirmed in their appointment with effect from 6th April 1980:—

1. Shri V. V. Narula.
2. Shri Narayan Punniakotti.
3. Shri Mahendra Singh.
4. Shri Sanwali Sahai.
5. Shri T. R. C. Reddy.
6. Shri C. L. Kanoji.
7. Shri Rawel Singh.
8. Shri J. R. Grover.
9. Shri Pushkar Singh.

The 5th August 1980

No. C-5647/718-A.—Shri M. Raju, Officiating Superintendent, Surveyor General’s Office is appointed to officiate in Establishment and Accounts Officer (GCS Group ‘B’ post) in South Eastern Circle, Survey of India, Bhubaneswar, on *ad hoc* basis, in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 26th May 1980 (F.N.).

No. C-5648/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Surveyor General’s Office (now on deputation as Map Curator) is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officers (GCS Group ‘B’ post), on *ad hoc* basis, in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 13th June 1980 (AN) *v/e* Shri Ram Lal, Establishment and Accounts Officer, proceeded on leave.

K. L. KHOSLA
Major General,
Surveyor General of India.
(Appointing Authority)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th July 1980

No. A-12026/4/77-Est.I.—Shri B. Khosla, Officiating Chief Cameraman in the Films Division, Bombay, has been reverted to his permanent post of Cameraman in the Films Division, Bombay consequent on assumption of charge of the post of Chief Cameraman By Shri M. M. Vaidya, with effect from the forenoon of 14th July, 1980 on his repartition from deputation to Afghanistan as an Expert Cinematographer under the Indo-Afghan Cultural Exchange Programme 1975-76, from that date.

R. N. SHARMA,
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th August 1980

No. A. 12025/23/79/NMEP/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. H. Kanaujia, to the post of Assistant Director (Ent.) National Malaria Eradication Programme, Directorate with effect from the forenoon of 31st March, 1980 on a temporary basis and until further orders.

No. A. 19020/23/76(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. Nirmala Venkateswaran, Senior Occupational Therapist, Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of the 29th March, 1980.

The 8th August 1980

No. A. 12025/30/76(JIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. Ramalingam in the post of Lecturer in Statistics and Demography at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of the 26th March, 1980 in an Officiating capacity and until further orders.

No. 33-12/75/Admn.I.—Consequent on her reversion to the post of Physiotherapist, Smt. S. Mehrotra relinquished charge of the post of Senior Physiotherapist, Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 27th March, 1979.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administration(E).

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 7th August 1980

No. A. 19025/20/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kamal Chakraborti has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Calcutta with effect from 26-6-80 (FN) until further orders.

B. L. MANIWAR,

Director of Administration
for Agricultural Marketing
Adviser to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES)

Bombay-400 001, the 7th August 1980

No. DPS 23/4/79/Est/13348.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shankar Gopal Jumsandekar, permanent Purchase Assistant of this Directorate to officiate as Asstt. Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EV-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from June 21, 1980 (AN)

to 19-7-1980 (AN) vice Shri D. Y. Shitut granted leave.

C. V. GOPAI AKRISHNAN,
Assistant Personnel Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 2nd August 1980

No. NFC:PAR:0704:5335.—In continuation of this office Notification No. NFC : PAR:0704:4515 dated 30-6-1980 the Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Raja Gopalan, an industrial temporary Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer, on *ad-hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, from 10-7-1980, to 10-8-80, or until further orders, whichever is earlier.

P. S. R. MURTY,
Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

Anushakti, the 4th August 1980

No. RAPS/09002/G/(855)/80/S/110.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to accept the resignation of Shri S. NAGARAJAN, a permanent Scientific Assistant (C) and officiating Scientific Officer Engineer Grade-SB with effect from the afternoon of 5th July, 1980.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E)
For Chief Project Engineer.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th August 1980

No. AMD-8(6)/80-Rectt.—In continuation of this Office Gazette Notification of even number dated May 27, 1980 the Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. N. Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 14-6-1980 to 7-7-1980 (AN) vice Shri Mukund Singh, Assistant Personnel Officer granted extension of leave.

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP-401 504, the 8th May 1980

No. TAPS/3/2(4)/80-R.—Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri N. G. Malkani, temporary Manager (Hostel) in the Tarapur Atomic Power Station, in substantive capacity against the permanent post of Manager (Hostel) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in Tarapur Atomic Power Station with effect from March 1, 1977.

A. D. DESAI,
Chief Administrative Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 21st July 1980

No. RRC/PF/3357/80-8850.—Shri SAMBASIVAN GURUSWAMI, a permanent Upper Division Clerk of the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh and officiating Junior Accounts Officer of the Office of the Controller of Accounts Ministry of External Affairs is hereby appointed as officiating Assistant Accounts Officer in the Reactor Research Centre, Kalpakkam on deputation with

effect from the forenoon of April 16, 1980 until further orders.

S. PADMANABHAN,
Administrative Officer
for Project Director.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 6th August 1980

No. A. 12025/7/79-ES.—On the recommendations of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Subhash Chander as Assistant Director of Air Safety (Engg.)/Senior Air Safety Officer (Engg.) in an officiating capacity with effect from 10-7-1980 (F.N.) until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, R. K. Puram, New Delhi.

No. A. 32013/13/79-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. K. B. Nair, Technical Officer, office of the Director, Radio Construction & Development Units, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on regular basis with effect from 11-7-80 (F.N.) and to post him in the same office.

No. A. 39012/2/80-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri H. K. Dixit, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Gauhati with effect from 9-2-80 (F.N.).

The 7th August 1980

No. A. 12025/2/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two officers as Technical Officers with effect from 22-7-80 (F.N.) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department, and to post them in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, New Delhi until further orders

1. Shri A. Vemalingam
2. Shri U. N. Mahalik

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. V. Rajan, Communication Assistant, A.C.S., Madras to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from 25-7-80 (F.N.) and to post him at the same station.

R. N. DAS,
Assistant Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Indore, the 22nd July 1980

No. 10/80.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri G. C. Singhal, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise (Gold), Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 9th July, 1980.

The 7th August 1980

No. 13/80.—Consequent upon the recommendation of U.P.S.C. vide their letter F. No. F.I./2/79-RD, dated 28-9-79 and our Establishment Order No. 68/80 (C. No. II(31)-6-Con/79, dated 7-5-80). Shri Jagdish Prasad

Mamgain, has assumed charge as Superintendent, Central Excise, Group 'B' (Paper Technology) Hqrs. Office, Indore in the forenoon of 30-7-80.

S. K. DHAR,
Collector.

Nagpur, the 5th August 1980

No. 2/80.—Shri K. C. Agrawal, Assistant Foreman in the Ordnance Equipment Factory, Kanpur having selected and appointed as Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) in this Collectorate on the recommendation of the U.P.S.C., has assumed charge of the office of the Superintendent of Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in Central Excise Division-II, Nagpur of this Collectorate in the forenoon of the 16th June, 1980.

No. 3/80.—Shri A. K. Patni, Foreman in the Inspectorate of Engineering Equipment (WZ), Bombay having selected and appointed as Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) on the recommendation of the U.P.S.C. has assumed charge of the Office of the Superintendent of Central Excise, Group 'B' (Mechanical Engineering) in Central Excise Division-I, Nagpur of this Collectorate in the forenoon of the 20th June, 1980.

K. SANKARARAMAN,
Collector

DIRECTORATE OF PUBLICATIONS
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 7th August 1980

(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE ESTABLISHMENT)

No. 2/80.—Shri P. R. Dastider, Supdt. C. Ex., Gazetted Group 'B' in the Collectorate of Central Excise & Customs, Shillong is appointed to officiate as Inspecting Officer, Gazetted Group 'B' on an *ad hoc* basis in the Directorate of Publications, Customs & Central Excise, at New Delhi w.e.f. 21-6-1980 (F.N.).

No. 3/80.—Shri S. P. Bahri, Office Superintendent in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi is appointed to officiate as Asstt. Director (Forms & Publn) Gazetted group B on *ad hoc* basis in the Directorate of Publications, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 14-7-1980.

LAJJA RAM,
Director.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of Bowden Carpet Company Private Limited

Kanpur, the 7th August 1980

No. 7559/1417-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Bowden Carpet Company Pvt. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

O. P. CHADHA,
Registrar of Companies, U.P., Kanpur.

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Manisha Chatterjee, 5, Lake View Road, Calcutta-29.
(Transferor)

(2) Dr. D. Prosad, 218, Sreeram Dhang Road, Salkia, Howrah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-21/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 218, situated at Sreeram Dhang Road Salkia, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 17-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 4-Kt. 4-Ch. building situated at 218, Sreeramdhong Road, Howrah, more particularly as per deed No. 3299 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Dated : 8-7-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sri Binraj Giria, S/o, Late Mulchand Giria
Sevak Road, Siliguri, Darjeeling.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-22/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 99, situated at Sevak Road, Siliguri, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 26th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Hanumanmal Giria S/o Sri Binraj Giria
Sevak Road, Siliguri, Darjeeling.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of three storied building situated at 99, Sevak Road, Siliguri, Darjeeling, more particularly as per deed No. 5617 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 8-7-80
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Smt. Lakshmi Chatterjee of 11, Short St., Calcutta.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharati Mukherjee, W/o, Sri Ajit Kr. Mukherjee Sagar Sadan, G.T. Road (W), Asansol.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-23/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. Sinha being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Asansol
and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Asansol on 22-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5-K, 14-Ch. and 35-Sft. situated at Asansol near C.I.T. Office, more particularly as per deed No. 5944 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raka Qutzeit,
Ferdinand niess strasee,
78, Freilurg, West Germany.

(Transferor)

(2) Smt. Majina Sarkar
B-1/351, Kalyani Post Office,
Kalyani, Dt. Nadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. No. Ac-24/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 351, situated at Sub. Block-I, Bl-B, Kalyani Sub-Divsn. Ranaghat, Nadia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 cottahs with building situated at plot No. 351, Sub-Block-I, Block-B, Kalyani, Sub-Division, Ranaghat, Dt. Nadia, more particularly as per deed No. 5995 of 1979.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Narendra Kumar Das
77, Selimpur Lane, P.S. Kasba, 24-Prgns.
(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Anjali Majumdar,
6/5, Central Park,
Calcutta-32.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1980

Ref. Ac-25/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77, situated at Selimpur Lane, Mouza Selimpur, P.S. Kasba, 24-Pargana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 13-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) Facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

All that piece and parcel of land measuring 2-cottahs, 3-chittaks & 10-sq. ft. with building situated at 77, Selimpur Lane, P.S. Kasba, Dt. 24-Prganas, more particularly as per deed No. 6083 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice hereby sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Ishak Meccawala, Kutul Meccawala, Saifee Meccawala, Hatim Meccawala, Kayed-E-Gohor Meccawala, Taher Meccawala, 2, Brabourne Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri Anil Kumar Dutta 36, Gopal Banerjee Lane, Howrah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
Calcutta, the 30th July 1980

Ref. No. Ac-26/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag Nos. 128, 129, situated at Thana Makua, Sankrail (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Howrah on 16-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.14-acre situated at Mouza Makua, P.S. Sankrail, Howrah, more particularly as per deed No. 3292 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Smt. Sushila Debi Agarwal 40B, Vivekananda
Road, Calcutta-7.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA
Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-36/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, J. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 kh. 4 ch. 16 sft. with building situated at 40, Joyabibi Road, Ghursury, Howrah, more particularly as per deed No. 10084 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-80

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8,
Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Vinod Kumar s/o Sri Bishan Dayal Goyal,
393, Upper Chitpur Road, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-37/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 11 ch. 6sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10082 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
15-216 GI/80

Date : 1-8-80
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Miss Rosy Goyal d/o Sri Naresh Ch. Goyal 393, Upper Chitpur Road, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. Ac-38/IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 k. 11 ch. 16 sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10090 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta,

Date : 1-8-80

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Smt. Rekha Jain, w/o Sri Naresh Chand Goyal 393, Upper Chitpur Rd., Cal-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-39/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

40, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 4ch. 16 sft. situated at 40, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10081 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Dated : 1-8-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-40/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated at Joya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 5ch. and 22sft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10083 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Dated : 1-8-1980.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Pinki Jain D/o Sri Subhas Chand Jain, 131, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref No. AC-41/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107 situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5k. 5ch. and 22sft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10086 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 1-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Master Ajit Kumar Jain S/o Sri Subhas Chand Jain 131, Cotton Street, Calcutta-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. AC-42/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I,
K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8K. 5Ch. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah, more particularly as per deed No. 10085 of 1979.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta-16.

Dated : 1-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Lt., 8, Camac Street, Calcutta-16.
(Transferor)

(2) Miss. Nisha Goyal, C/o., Sri Kailash Chand C/o., Sri Kailash Chand Goyal, 40-B, Vivekanand Road, Cal-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref No. AC-43/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107 situated at Joya Bibi Lane, Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K. 5Ch. & 72-Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10088 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-44/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 107, situated at Jaya Bibi Lane Dt. Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.

(2) Miss. Ruby Goyal D/o, Sri Naresh Chand Goyal, 393, Upper Chitpur Rd., Cal-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K. 9Ch. 15 Sq. ft. situated at 107 Jaya Bibi Lane, P. S. Bally, Dt. Howrah, more particularly as per deed No. 10089 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-IV
Calcutta.

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd., 8, Camac Street, Calcutta-16.
(Transferor)(2) Master Sanjoy Goyal (Minor)
S/o., Sri Naresh Chund Goyal 40-B, Vivekananda Road, Cal-7.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 8th August 1980

Ref. No. Ac/45/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107 situated at Joya Bibi Lane Bally, Ghushuri, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece and parcel of land measuring 6K. 10Ch. & 18 Sq. ft. situated at 107 Joya Bibi Lane, Ghushuri, P. S. Bally, Howrah, more particularly as per deed No. 10091 of 1979.

THE SCHEDULE

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range IV, Calcutta
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16-216 GI/80

Date 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Bhagwati Devi Wd/o Sh. Ram Gopal S/o Shri Mohan Lal R/o New Colony, Gurgaon. (Transferor)

(2) Shri Hari Parshad Saini S/o Shri Kanwar Saini R/o E-414, Dev Nagar, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. GRC/22/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 100-R, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 100-R, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3310 dated 28-11-79 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Krishan Kumar S/o Shri Tulsi Dass R/o House No. 72, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Naurang & Naurang Pvt. Ltd. Bombay through Shri Satyadev S/o Shri Shanu Lal Naurang Managing Director R/o Bombay Hal 7-Gole Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/27/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insaar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Panipat in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insaar, Panipat and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 3402 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Rohtak

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anand Kumar S/o Sh. Tulsi Dass, House No. 72 Model Town Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/28/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Josar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Nov., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Naurang & Naurang Pvt. Ltd. Bombay through Shri Satyadev Naurang S/o Shri Shau Lal Naurang, Managing Director Bombay Hall 7 Gole Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated in Taraf Josar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3403 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 6-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Karam Narain S/o Shri Tusi Dass, Model town, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/29/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 1/3 bishwa situated at Vill. Taraf Insar, Panipat and more mentioned in the sale deed registered at No. 3404 dated 12-11-79 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 6th August 1980

Ref. No. PNP/30/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 4 bighas 1/3 bishwa situated at Taraf Inzar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Chander Parkash S/o Ch. Tulsiram Bhatia, House No. 72, Model Town, Panipat.
(Transferor)

(2) M/s Naurang & Naurang Pvt. Ltd. through Shri Sayadev Naurang S/o Sh. Shanu Lal, Managing Director, Bombay, Gole No-7, Market, Model Town, Panipat.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 1/3 bishwa situated at Taraf Inzar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 34/5 dated 12-11-79 with the sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 6-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Vashrambhai Lavjibhai Bhadesia;
Opp. Avil Engineering Works;
Gondal Road, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

AHMEDABAD

Ahmedabad-390 009, the 21st April 1980

Ref. No. P.R. No. 998 Acq 23-1 79 80.—Whereas I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 382 paiki Plot No. 19 situated at Gondal Road, Opp. P.D.M. College, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 10-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Manharlal Maganlal Shah HUF. C/o Haren Bors.
Opp. Bus Stand, Dhebar Road, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building known as "Sweet Home" standing on land admeasuring 390.5 sq. yds. bearing S.No. 382, paiki Plot No. 19, situated on Gondal Road, just near P.D.M. College at Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3993 dated 10-12-79.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I,
Ahmedabad

Date : 21-4-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrital Bhanulal Kothari; 32, Armeniyan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

Ahmedabad-380009, the 26th June 1980

Ref. No. F.R. No. 10/5 Acq. 23/I/80-81.—Whereas I,

S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 55 Plot No. 28A situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Surendra Ishwarlal Ajmera; C/o. Ajmera Corporation; P.N.B. House, Phirozsha Mehta Road, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds. bearing S.No. 55, Plot No. 28-A, situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 7186 dated 13-12-79. Date : 26-6-1980

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1066 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 55, Plot No. 28A situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Paykar Harilal Kothari;
2. Kirit Harilal Kothari;
3. Rajesh Harilal Kothari;
4. Kamalaben Harilal Kothari;
32, Armeniyan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Jagrati Chhaganlal Ajmera;
C/o. Ajmera Corporation;
P.N.B. House, P.N. Road,
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds. bearing S. No. 55, Plot No. 28-A-4 situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 7187 dated 13-12-1979.

S. N. MANDAL
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17-216 GI/80

Date : 26-6-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Girdharlal Bhanalal Kothari;
32, Armenian Street,
Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1067 Acq. 23/1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 55, Plot No 28-A situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Jayant Ishwarlal Ajmera
C/o Ajmera Corporation,
P.N.B. House, P.M. Road,
Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 980 sq. yds., bearing S. No. 55, plot No. 28-A, situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 7188 dated 13-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 26-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jayantilal Bhanalal Kothari; 32, Armenian Street, Calcutta-1.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shailesh Bhogilal Ajmera; Opp. Armera Corporation; P.N.B. House, P.M. Road, Bombay-1.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 26th June 1980

Ref. No. P.R. No. 1068 Acq. 23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 55, Plot No. 28/A-5 situated at Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An Open plot of land admeasuring 980 sq. yds, bearing S. No. 55, Plot No. 28/A-5 situated on Gondal Road, by the side of Ravi Cold Storage, Rajkot and as gully described in the sale deed registered vide Regn. No. 7189 dated 13-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-6-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Traders; Prop. Shri Ashokkumar Chhotalal; Station Road, Keshod.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 19th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1095 Acq. 23/ACQ.I/80-81.—Whereas, I. S. N. MANDAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Super structure on plinth i.e. Raj Cinema Building situated at Keshod Dist. Junagadh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Keshod on 14-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Raj Cinema through Partner Shri Polabhai Rajabhai & others: Village: Handda, Tal. Keshod; Dist. Junagadh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as M/s. Raj Cinema, standing on land 1763-5-0 sq. yd. situated at Station Road, Keshod, duly registered by Registering Officer, Keshod *vide* sale-deed No. 1373/14-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Madhukantaben Gaurishanker Dave & others,
Nagindas Mansion, Block No. 14, 4th Floor, Opera
House, Bombay.
(Transferor)

(2) Shri Ratilal Sakarchand Mansawalla, Shantikunj
Colony, No. 2, Nagarsheth's Vando, Gheekanta
Road, Ahmedabad.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th July 1980

Ref. No. P.R. No. 1096/Acq.23/I/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 169 paiki TPS. 15, Plot No. 19-B situated at Satyawadi Coop. Housing Society Ltd., Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 26-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 672 sq. yds. bearing F.P. No. 169 paiki—T.P.S. 15—Plot No. 19-B situated at Satyawadi Coop. Housing Society Ltd., Wadaj, Ahmedabad, duly registered by Sub-Registrar, Ahmedabad vide sale-deed No. 14014/26-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 19-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 1097 Acq. 23-I/1-1/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TPS. No. 19, F.P. 56, Sub-Plot No. 4 situated at Usmanpura, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 13-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajendra Dwarkadas Thakore; 46, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Harisiddh Krupa Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman Shri Sankalchand Shantilal Shah, 43, Harisiddh Krupa Coop. Housing Society Ltd., Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing F.P. No. 56—Sub-plot No. 4, TPS. 19—admeasuring 1279 sq. yds. situated at Usmanpura, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 11625/13-12-79 i.e. property as fully described therein.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 22-7-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Bhikhabhai Dullabhai Bengali; Sunder Road, Billimora.

(Transferor)

(2) S/Shri Chhotalal Lallubhai Mistry & 4 others; Mahadevnagar, Billimora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1980

Ref. No. P.R. No. 953 Acq.23/7-3/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 441 (Paiki) land Degra village, Mahadevnagar area situated at Near Navjivan Society, Chikhali Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 5-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot bearing R.S. No. 441 (Paiki) of Degra village, Mahadevnagar area, near Navjivan Society, Chikhali Road, Billimora, duly registered on 5-12-1979 at Gandevi.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 18th July 1980

Ref. No. P.R. No. 954 Acq. 23/19-8/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3374, Mali Falia, Kazi Medan situated at Wd. No. 1, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vasantkumar alias Basantkumar Dhanraj Sebani; Confirming Party: Dhanraj Manekchand alias Mangamal Sebani, Tower Road, Guj Manzil Surat. (Transferor)

(2) Shri Kirtilal Popatil Shah; Raj Apartment No. 3, Gopipura, Mali Falia, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property is situated at Nondh No. 3374, Mali Falia, Kazi Medan, Gopipura, Surat duly registered on 11-12-1979 with registering authority at Surat.

S. N. MANDAL
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 18-7-1980.
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Lallubhai Ranohhodji Patel; Sikare, Taluka—
Bardoli, Dist. Surat.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jatinbhai Jayantilal Mehta; 54, Sardarnagar Society, Sumul Dairy Road, Surat.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 955 Acq.23-JI/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 7, S. No. 2288 (Paiki) of Ghoddod Rd. TPS. No. 5, situated at Athwa, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot of land Plot No. 7, Sur. No. 2288 (Paiki) of Ghoddod Road, TPS. No. 5, Athwa, Surat duly registered on 18-12-1979 at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—216 GJ/80

Date : 22-7-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nathabhai Narsibhai Patel; Diwaliben Wd. of Chunibhai Narsibhai; Bardoli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 956 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I,
S. N. MANDAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 262-6 paiki land situated at Bardoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 26-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) President Shri Thakorhai Ranchhodji Naik; Chairman: Shri Bhaskarhai Haribhai Fadke; C/o Ankur Coop. Housing Society, Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 262-6, situated at Bardoli duly registered at Bardoli on 26-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 957 Acq. 23-I/80-81.—Whereas, I S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 4208 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri situated at Sagrampura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 7-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Manantrai Shripatrai Vaidya; Sagrampura, Kala Mehta Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Brijlal Atmaram Rana; Begampura Nana Jivan Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 4208, Wd. No. 2, Sagrampura, Surat duly registered on 7-12-1979 at Surat.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 958 Acq. 23-I/Acq.II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 4238 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri, situated at Sagrampura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 28-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kantiil Balkrishna Sastri, Sagrampura Kala Mehta Sheri. At present : Divisional Office, Western Railway, Kothi Compound, Rajkot.
(Transferor)

(2) Shri Sudhirkumar Parshtottamdas Jarivala; Sidhi Sheri, Salabatpura, at Present : Kala Mehta Sheri, Sagrampura, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 4238 Wd. No. 2, Kala Mehta Sheri, Sagrampura, Surat duly registered on 25-12-1979 at Surat.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahasukhlal Mohanlal Mehta; 9/1341, Balaji Road, Surat.
(Transferor)

(2) Shri Mohammad Ismail Mulla; (P.A.H. Shri Ismail Ahmed Mulla), Parsivad, Rander, Surat.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD
Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1980

Ref. No. P.R. No. 959 Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, S. N. MANDAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 3085-B-C-E., Badkha Chakla, Wd. No. 1 situated at Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 5-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Badkha Chakla, Near Kwaja Dada Saheb Dargah, Nondh No. 3085-B-C-E, Wd. No. 1, Surat duly registered at Surat on 5-12-1979.

S. N. MANDAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-7-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri J. Sanjeeva Sulian, S/o Uggappa Poojary, Near Kadri Market, Mangalore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE
 BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 5th August 1980

C.R. No. 62/25604/79-80/ACQ|B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 749|1 and RS. No. 101|B1 and door No. 15-13-716-2(8) & 717 situated at Kadri Village, Bendoor Ward, Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 713/79-80 on 6-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri M. Nagesh, S/o Koragappa, "Netti House" Maroli, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1917 (27 of 1957).

(Registered Document No. 713/79-80 dated 6-12-1979)
 Land and property situated at
 Sl. No. TS. No. RS. No. Kissam Extant.
 A C
 1. 749|1 101|B1 Dry 0 11
 (Western portion out of 0.80 cents of Northern portion)
 2. 749|1 101|B1 Dry 0 05
 (Southern portion out of 9.80 cents of Northern Portion)
 Item 1 contains a single storied traced building bearing Door No. 15-13-716-2 (2) and 717.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Simon Sylvester Rasquinha, S/o Bonaventure Rasquinha, "Silalis", Kanapathagu, Kankanady, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) S/Shri M. Sunder Shetty, S/o Chandu Shetty, Managing partner Rainbow Ready wears, (ii) M. Suresh Shetty, S/o M. Sunder Shetty, Partner Kankanady, Mangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 5th August 1980

No. CR-62/25605/79-80/Acq.B.—Whereas, I, R. THOTIATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sy. 78-8 and 78-1A2 situated at Kankanady Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Mangalore Document No. 715/79-80 on 23-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 715/79-80 dated 23-11-1979) property bearing

(1) Sy. No. 78-8—Bagayath—0.17½

(2) Sy. No. 78-1A2—Nanja—0.04

0.21½

Or 870-10 Sq. metres.

Kankanady village, Mangalore.

R. THOTIATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-1.

Dated : 5-8-1980.

Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. H. G. Sundararama Reddy, No. 17, Bellary Road, Palace Orchards, Bangalore-6.
 (Transferor)

(2) Shri D. A. Srirama Chandra, No. 162/10-B, Rama Iyengar Road, V. V. Puram, Bangalore-4.
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
 Bangalore-560001, the 5th August 1980

C.R. No. 62/25702/79-80/ACQ|B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/02, situated at 9th A Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Doc. No. 3038/79-80 on 13-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3038/79-80 dated 13-12-1979)
 Premises No. 27/02, 9th A Main Road, II Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Bounded by
 On North : No. 276,
 On South : Site No. 27/03,
 On East : Site No. 27/01,
 On West : IX A Main Road.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Bangalore

Dated : 5-8-1980.
 Seal :

Now, therefore, in the pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri P. C. Ubrol S/o Late Guru Piare Ubrol R/o A-2/38, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani W/o Brij Mohan Khanna, Surinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna & Bhupinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna R/o WZ-8, Meena Kashi Garden, New Delhi & Narinder Kumar S/o Brij Mohan Khanna R/o WZ-40A, Meena Kashi Garden, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July, 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SRI/12-79/6017.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. A-2/38, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi Single storey, bearing No. A2/38, Rajouri Garden New Delhi bounded as under :—
North Property No. A2/37
South Property No. A2/39
East Road
West Property No. A2/41.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
1—216 GI/80

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. L. N. Gadodia & Sons Ltd. 1112 Kucha Natwa, Chandni Chowk, Delhi-6 through its Director Shri Tej Pal Gadodia,

(Transferor)

(2) Shri Laxmi Dutt Gupta S/o Lala Jagan Nath & Smt. Sandhya Gupta W/o Laxmi Dutt Gupta R/o 81-A, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SRI/12-79/6042.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/6 situated at Alipur Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed thereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on December 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Bungalow No. 8/6, Alipur Road, Civil Lines, Delhi bounded as under :
 On the East—Alipur Road
 On the West—Church Mission School
 On the North—Bungalow No. 10 Alipur Road
 On the South—Bungalow No. 6, Alipur Road.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. S. K. AULAKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1980.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Rukmani S. Mirchandani Wd/o Sital Dass
R/o D-6, Nizamuddin West, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar S/o Shri Bhim Sain Kumar R/o
3/88, Ramesh Nagar, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-79/6066.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4/7 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4/7, East Patel Nagar, New Delhi with the lease hold rights of the land under the said property, bounded as under :—

North—Road
South—Service Lane
East—Lane
West—H. No. 4/6.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 23-7-1980.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd July 1980

Ref. No. JAC/Acq-II/SRII/12-79/3040.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

26 situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S/Shri Narinder Kumar Verma, Kamal Singh Verma, Mukesh Verma ss/o Har Narain R/o 26-North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Wanti W/o Chuni Lal Kumar 10/78, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on Plot No. 26, on North Avenue Road, Punjabi Bagh area of village Madipur Delhi State Delhi measuring 550 sq yds bounded as under :

North—House on plot No. 28.
South—Plot No. 24
East—Service Lane
West—Road.

MRS. S. K. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1980.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. L. Khaitan, 176-A, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-JII/12-79/720.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-9, situated at Maharani Bagh New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Raj Rani Kapoor W/o Col. J. C. Kapur, G-9, Maharani Bagh New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. G-9, Maharani Bagh New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Dated : 2-8-1980

Seal :

(1) Shri Indubhushan Dass Gupta S/o H. H. Dass Gupta R/o Godhali Juda, Kharagpur-721305.
(Transferor)

(2) Shri Gurbax Singh, Mohan Singh, 52/42, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/721.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-48, situated at Greater Kailash II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. E-48, measuring 250 sq. yds. in Greater Kailash II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Capt. Purushottam Dutt Sharma B-4/32, Safdarjang, Enclave New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Link Engineers P. Ltd. 503, 701, Sahyog Building, 58, Nehru Place New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/728.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 4 bigha 16 biswas situated at Village Khanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 16 biswas with tube-well farmhouse consisting of three rooms, one shed, water tank, duly levelled and fenced with electric motor, electric connection bearing khasra No. 517 situated in village Khanpur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Gurvinder Singh Khurana R/o E-118 East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Gupta R/o C-454, Greater Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
 I.P. ESTATE,

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/748.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

149 situated at 'Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 17-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building constructed on it bearing No. 149 Block No. E measuring 251 sq. yds. situated in the Residential Colony known as Greater Kailash-II, New Delhi bounded as under :—

East : Service Lane
 West : Road
 North : House No. E-151
 South : House No. E-147

R. B. L. AGGARWAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Runa Chaterjee, 31-South Malaka Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sardar Exhibitors (P) Ltd. 1147, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/782.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—216 GI/80

Dated : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Asis Kumar Ganguly F-1134, Chitranjan Park
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/783.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on December 1979,
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New
Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt. Jhoonu Mukherjee 45E/4, 1st Floor, Moore Avenue Tollygunge, Calcutta-53.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Agq-I/SRIII/12-79/784.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Sudar Exhibitors P. Ltd. 1147, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri P. K. Ganguly, 2/8, Amar Jyoti Cooperative Housing Society Ltd. Thana.

(Transferor)

(2) M. s Sardar Exhibitor P. Ltd. 1147, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/785.—Whereas, I,

R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 2-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. K. Ganguly M-78, Greater Kailash Part I
New Delhi-48.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Sardar Exhibitors P. Ltd., 1147, Chandni Chowk Delhi-6.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/786.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated : 2-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri A. K. Ganguli, 56, Tollygunge, Circular Road,

Calcutta-53.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
J.P. ESTATE, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/787.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 0.

1/6th share of A-33, situated at Kailash Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s Sardan Exhibitors P. Ltd. 1147, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th share of property No. A-33, Kailash Colony, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kanta Dhir, 72, Monalisa, Bomanji Petit Road
Bombay-400036.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Kuldip Singh, M-161, Greater Kailash II New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/789.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-38, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 38 Block No. E, measuring 250 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash II New Delhi-48, bounded as under :—

East : Plot No. E-36
West : Plot No. E-40
North : Road
South : Service Lane

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jasvinder Singh S/o Dharam Singh R/o A-2/140, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-II/12-79/790.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-126, situated at Greater Kailash I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Ravinder Kumar Jaitli S/o Jagan Nath Shastri & Smt. Amita Jaitli W/o Ravinder Kumar Jaitli both R/o 30-34, West Patel Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building on Plot No. 126, in block C, measuring 300 sq. yds. at Greater Kailash I area of village Jagatpur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 2-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Prof. Bishan Sarup Sharma, Krish Farm, village Chhattarpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Roger Overseas P. Ltd., 2, Scindia House, Janpath, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/797.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 3.5 acres with house situated in village Chhattarpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3.5 acres alongwith a house situated in village Chhattarpur, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—216GI/80

Date : 2-8-1980

Seal :

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/801.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E 540 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-12-79

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jyotsna Rajan W/o Dr. W. C. Rajan 14E, Rin Road, Lajpat Nagar IV New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari, Navin Kumar & Sunil Kumar R/o W-41, Greater Kailash I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. E-540 measuring 550 sq. yds. Greater Kailash II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, New Delhi.

Date: 2-8-80
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Shiv Kumar Kohli S/o Kundan Lal Kohli C/o B&K Enterprises, Dak Bungalow Road, Patna.
(Transferor)

(2) Harnam Singh S/o Prem Singh C/o Suresh Virmani, Virmani & Associates E-1, Con. Place New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK, VIKAS BHAVAN,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/12-79/815.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.248 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential plot No. S-248, Greater Kailash II New Delhi measuring 250 sq. mt. (300 sq. yds.)

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/12-79/823.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-195, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-12-1979 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. N. Chopra S/o Bajji Nath Chopra R/o 8, Lord Sinha Road Calcutta-16. (Transferor)

(2) Shri Deepak Ghai S/o Mulkh Raj Ghai C/o M/s Book Corner B-10, Con. Place New Delhi-1. ((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold residential property bearing No. 195 in Block B, measuring 512.5 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash I New Delhi bounded as under :—

East	Road
West	Nallah
North	Plot No. B-193
South	Plot No. B.197

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-8-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/824.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, situated at Ring Road, Lajpat Nagar New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on December 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Banilal Tirathdas Menghani S/o Shri Tirath Dass R/o II-I/47, Lajpat Nagar New Delhi through general attorney A. D. Manghaney S/o Tirath Dass R/o II-I/47, Lajpat Nagar N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar & Harish Chander sons of Kesar Dass Arora, 66-Rang Road, Lajpat Nagar III New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 66, measuring 790 sq. yds. Ring Road, Lajpat Nagar New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 2-8-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRJII/12-79/845.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. II-J/37 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devki Nandan S/o Kesar Chand Sehgal
R/o II-L-37, Lajpat Nagar, New Delhi general
attorney of Smt. Pushpa Rani.
(Transferor)

(2) Shri Mukhbain Singh S/o Jagat Singh.
R/o B-173, East of Kailash, New Delhi through
attorney Baxshish Singh
R/o B-173, East of Kailash,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. II-J-37, Lajpat Nagar New Delhi measuring 100 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 2-8-80
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. C. Mehta S/o Karam Chand Mehta,
R-551, New Rajinder Nagar New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Lal S/o Ram Dass of,
R-551, New Rajinder Nagar New Delhi & Gurcharan
Lal S/o Ram Dass of 10071, Nawab Ganj Delhi.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 2nd August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/CRIII/12-79/1697.—Whereas I, R. B. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R-551, situated at New Rajinder Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 31-12-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-551, New Rajinder Nagar bounded as under :—

East—G.B.P.
West—Lane
North—Road
South—Service Lane.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-I,
 H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
 NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/813.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 23 bigha 19 biswas situated at Village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer New Delhi on 27-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Raja Ram alias Rajev and Rattan Lal both sons of Bharta of Village Dera Mandi New Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Rajwant Singh Brar S/o Tara Singh Brar R/o 7A, Faridkot House, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 23 bighas and 19 biswas, Mustatil No. 43 killa Nos. 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), 7 (4-16), 15 (3-3) and 14/1(1-12), Khata and Khatuni No. 202 situated in village Dera Mandi, Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Nirmal K. Sethi W/o Kewal Krishan Sethi & Mrs. Nirmal S. Sethi W/o Sharvan Sethi, C-285, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Sudesh Thaper W/o G. P. Thaper, A-194, Defence Colony New Delhi.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/12-79/835.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-285, situated at Defence Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Single Unit two and a half storeyed house bearing No. C-285, Defence Colony New Delhi built on Plot of land measuring 335.4 sq. meters.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—216 GJ/80

Date : 12-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Thakur Ratan Singh,
C-27, Raksha Bhavan Man Singh Road, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dr. Hari Vaishnava & Dr. Mrs. Sarla Vaishnava,
91, Rabindra Nagar New Delhi-3.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/3R-III/12-79/842.—Whereas I, R. B. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-15 situated at N.D.S.E. Part J, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed house built on a free hold plot of land bearing No. 15 in Block J measuring 271.2 Sq. Yds. in the residential colony known as New Delhi South Extn. Part I New Delhi situated at village Kotla Mubarakpur Delhi bounded as under :—

East—Road
West—Plot No. J-6 and J-6A
North—Plot No. J-16
South—Plot No. J-14

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the date of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SH-III/112-79/1687.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 5, Block X, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 18-12-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Narinder Nath Wadhwan S/o Sohan Lal Washawan R/o 238, Double Storey New Rajinder Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Mridula Jain W/o Chiranjit Lal Jain, R/o 2-X, Green Park New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House on plot No. 5, Block X, measuring 200 sq. yds. Green Park New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,
NEW DELHI-110002

New Delhi-110002, the 12th August 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/12-79/820.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. HS-25 Kailash Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-12-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intimate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Ishwar Devi W/o Late Amin Chand Anand R/o K-33, Jangpura Extn. New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Kiran Kantawala S/o R. B. Kantawala & Smt. Nalini Kiran Kantawala W/o Sh. K. R. Kantawala both R/o A-164, Defence Colony New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property built on shop plot No. 25 in Block HS Kailash Colony New Delhi measuring 167.23 bounded as under :—

East—Foot Path
West—Service Lane
North—Plot No. H-26
South—Plot No. H-24.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 12-8-1980
Scal :

FORM ITNS—

(1) Shri Naraindas Tournal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Asmabai wife of Imdadali Abdulhusein Mukadem. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th July 1980

Ref. No. AR-1/4342-18/D-79.—Whereas, I, A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-12-1979 (Document No. 297/79/Bom) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 297/79/Bom and registered on 27-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I.

BOMBAY

Bombay, the 29th July 1980

Ref. No. AR-I/4338-14/D-79.—Whereas, I,
A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 1444, Ambewadi situated at Girgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-12-1979 (Document No. 1082/74/Bom) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) J. Mohamedhusain Rahimtoola Chinoy
2. Mrs. Zarina Ebrahim Gulamhussein Urrimbhoy
3. Rajibhai Mahomed Jamal
4. Fazel Alimohamed Faselbhoy
5. Mahomed Alibhoy Bhanji
6. Mahomed Alibhoy Mahomed
7. Albarali Alibhai Premji
8. Ismail Jafeer Meherally
9. Meledi Rajabally Kassam
10. Yusufali Abdulla Fazalbhoy
11. Rahim Karim Mistry
12. Alibhai Javer Madhani, and
13. Kassamally Gulahussein Doosani

(Transferor)

- (2) M's Lakhani's (Pvt) Ltd.

(Transferee)

- (3) Tenants. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1082/74/Bom and as registered on 29-12-1979 with the Sub-Registrar, Bombay.

A. H. TEJALE.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 29-7-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) The Empire Dyeing & Manufacturing Co. Ltd.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
BOMBAY.

Bombay, the 30th July 1980

Ref. No. AR-I/4537-13/Dec.-79.—Whereas I, H. A. TEJALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1(C)(pt) Plot No. 3 Cadastral Survey No. 412(pt) situated at Tardeo Divn.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bombay on 26-12-79 Document No. 3632/73 Bombay for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Mohamed Hussein Shakhali Barodawalla
2. Sultanali Shaikhali Barodawalla
3. Gamanlal M. Mehta
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 3632/73/Bom and as registered on 26-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

A. H. TEJALI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

Date : 30-7-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY.

Bombay, the 1st August 1980

Ref. No. AR-III/AP349/80-81.—Whereas I,
A. H. TEJALE
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 429 & 430 & 430/1 to 430/11, S. No. 64/1 part, S. No. 64/1 pt 2, S. No. 119/1 & 2 situated at S. V. Road, Andheri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-3-80 Document No. S-1641/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Surendra Mansukh Patel
 2. Virendra Mansukh Patel
 3. Mahendra Mansukh Patel
 4. Naicendra Mansukh Patel

(Transferor)

(2) M/s Alka Construction Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1641/79 and as registered on 3-3-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. H. TEJALE
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jaikishandas Balchand Pannani
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Peruin S. Irani & Mrs. Dolat H. Doongaji
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
BOMBAY.

Bombay, the 1st August 1980

Ref. No. AR-I/4344-2/Jan. 80.—Whereas I,
A. H. TEJALE,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C.S. No. 4B/696 of Malabar & Cumballa Hill Dvn Tahera Villa
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 9-1-80 Document No. 3032/71 (Bom)
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No.
3032/71 Bom and as registered on 9-1-1980 with the Sub-
registrar, Bombay.

A. H. TEJALE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

3-216 GI/80

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Krishna Kumar Gupta s/o Late Shri Lala Badri Pd.
r/o 246, Krishnapuri, Meerut.
(Transferee)

(2) Shri Jagjot Singh Jain s/o Lala Sunder Lal Jain r/o 233/234 Present No. 96/1, Bramhpuri, Meerut.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1531-A/Meerut/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 18-12-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Single storeyed House Property, bearing No. 233 & 234, situated at Mohalla : Bramhpuri, Meerut which was sold for Rs. 35,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE,

KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1649-A/Hardwar/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hardwar on 21-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Akhara Punchayati Sri Niranjan Mayapur Hardwar through Mahant Roop Giriji and Hardayal Giriji, r/o Akhara, Hardwar.

(Transferor)

(2) Smt. Mohani Devi w/o Shri Basant Singh Varma r/o Mohani Niwas Niranjan Akhara, Hardwar, Distt : Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Open Plot measuring 3000 Sq. Fts. situated in Niranjan Akhara, Hardwar, Distt : Dehradun which was sold for Rs. 43,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1411-A/Roorkee/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Roorkee on 10-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Dr. Rajendra Kumar s/o Shri Dayaram
r/o 30-A, Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur.
(Transferor)(2) Smt. Sunaina Ahuja w/o Shri R. C. Ahuja
r/o 16, Civil Lines, Roorkee, Distt: Saharanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A part of Land measuring 3672 Sq. Fts., situated in Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 47,736/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1462-A/Roorkee/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Roorkee on 31-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dinesh Chandra s/o Shri Khajan Chandra r/o Railway Station Road Maktulpuri, Roorkee, Distt : Saharanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Premwati Gupta w/o Shri Prem Chandra Gupta, Purshottam Dass Bansal s/o Late Lala Shobha Ram r/o 48, Civil Lines, Roorkee, Distt : Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Ahata bearing No. 39 measuring 2475.50 Sq. Fts., situated in Mohalla : Maktulpuri, Roorkee, Distt : Saharanpur which was sold for Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1410-A/Hapur/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hapur on 7-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala Devi w/o Shri Munni Lal Gaur r/o 48, Raghbir Ganj, Hapur Distt : Ghaziabad.
(Transferor)

(2) Sardar Surendra Pal Singh s/o Sardar Gurdeep Singh, Sardar Jag Singh s/o Sardar Tara Singh and Others r/o 48, Raghbir Ganj, Hapur, Distt : Ghaziabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storeyed House Property measuring 200 Sq. Yds., situated at 48, Raghbir Ganj, Hapur, Distt : Ghaziabad which was sold for Rs. 38,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Aryan Brothers Pvt. Ltd., 1170, Kucha Mahajan, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Gupta and Pavan Kumar Gupta s/o Shri Kundan Lal Gupta, Gurdev Gupta and Ashok Kumar Gupta r/o Gill Colony, Saharanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1449-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1368.83 Sq. Yds. bearing No. 161, situated at Prakash Industrial Estate, Karkar Mandar, near Giani Border, Ghaziabad.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1412-A/Meerut/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEQUE situated at AS PER SCHEQUE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 6-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Daleep Kumar Gupta
S/o Lala Bhagwan Dayal Gupta
R/o Bunglow No. 209, West-End Road,
Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) Sardar Harbans Singh
S/o Ravel Singh,
Sardar Bhagwant Singh, Sardar Sumer Singh and
Sardar Jogendra Singh S/o S. Diwan Singh
R/o 209, West-End Road, Meerut Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House Property bearing No. 209, situated at West-End Road, Meerut Cantt, which was sold for Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1468-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Prakash s/o Late Shri Bramhanand R/o Farookh Nagar, Parg. Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal and Suresh Kumar S/o Lala Triloki Chandra Khandelwal R/o Baraut, Distt. Meerut Present Address : D-194, Vivek Vihar, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Awasik Plot bearing Nos. 11, 12, 13 and 14 measuring 2400 Sq. Yds., situated at Pasauda, Parg. Loni, Teh. & Distt. Ghaziabad which was sold for Rs. 43,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—216 GI/80

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 31-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Mansendra Gangoli, Rashendra Kumar Gangoli and Shailendra Kumar Gangoli
R/o 88/545, Prem Nagar, Kanpur.
(Transferor)

(2) Shri Mohd. Ahmed
R/o 98/56, Bakanganj, Kanpur.
Shri Abdul Kadir
R/o 67-A, Sujat Ganj, Kanpur.
Shri Abdul Majid,
181/3, Juhu, Kanpur,
Shri Shamimuddin,
99/143, Mohalla : Kanghi Mahal and
Shri Mustaq
R/o 88/148, Chamanganj, Kanpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House Property bearing No. 88/545, measuring 1437.50 Sq. Yds., situated in Prem Nagar, Kanpur which was sold for Rs. 150,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 1-8-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Kishan Dass Alias Buddh Prakash
S/o Lala Raj Kumar
R/o Moh. Jatti Wara, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Har Pyari Devi Memorial Charitable Trust
(Regd.) Malviya Chowk, Meerut through
Shri Om Prakash S/o Lala Nyadarmal (Mantri),
R/o Malviya Chowk, Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE.

KANPUR

Kanpur, the 6th August 1980

Ref. No. 1551-A/Meerut/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 24-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A House Property bearing Municipal No. 10 and 11, measuring 450 Sq. Yds., situated at Jatti Wara, Meerut City which was sold for Rs. 70,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Pushpa Rani Chanda W/o
Late Shri Rajendra Chadda,
R/o 128, Model Town, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 1st August 1980

Ref. No. 1450-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I,
B. C. CHATURVEDI
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ghaziabad on 28-12-1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(2) M/s. Amiya Corporation Pvt. Ltd.,
19, British India Street, Calcutta through
Shri Sajjan Kumar Jain
S/o Shri Chhotelal Jain (Representative).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A Plot of Land measuring 3743 Sq. Yds. situated in
Arthala, Mohan Nagar, Ghaziabad which was sold for Rs.
112,290/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Nita Goyal (Minor).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA.

Calcutta, the 1st August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. AC-31/Acq-R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, situated at Jaya Bibi Lane Bally, Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K 5Ch 22 Sq. ft. situated at 107, Jayabibi Lane, Bally, Howrah more particularly as per Deed No. 10096 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-32/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, situated Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5K 15Ch 29 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist Howrah more particularly as per Deed No. 10095 of 1979.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Krishna Kumar Agarwalla,
393, Upper Chitpur Road,
Calcutta-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-33/Acq.R-IV/Cal/80-71.—Whereas, I,

K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, situated at Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 15Ch 25 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist Howrah more particularly as per Deed No. 1004 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kavita Agarwal (Minor).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-34 Acq.R-IV/Cal/80-71.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

107, situated Joya Bibi Lane, Bally Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 10Ch 18 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah more particularly as per Deed No. 10093 of 1979.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNB—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1980

Ref. No. Ac-35/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- 107, situated Joya Bibi Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 28-11-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—216 GI/80

(1) M/s. New Central Jute Mills Co. Ltd.,
8, Camac Street, Calcutta-16.

(Transferor)

(2) Master Rajesh Jain
S/o Sri Subhas Chandra Jain,
131, Cotton Street, Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6K 16Ch 18 Sq. ft. situated at 107, Joya Bibi Lane, P.S. Bally, Dist. Howrah more particularly as per Deed No. 10092 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 1-8-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Sankarananda Banerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Babul Saha, Apu Saha, Tapan Saha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Ref. No. AC-46/Acq.R-JV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), herein-after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 587/2482, situated at P.S. Baranagore, 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore on 14-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 15K, 5Ch. 21 Sq. ft. with building situated at Rai Mohan Banerjee Aoad, P.S. Baranagore, Dist. 24- Parganas more particularly as per Deed No. 7339 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 6-8-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Ashalata Basak,
Sri Dukshi Ram Basak and
Smt. Joti Kana Basak.
12, Chandi Charan Banerjee Lane,
Calcutta-35.

(Transferor)

(2) Smt. Gaitri Sarkar,
12, Chandi Charan Banerjee Lane,
Calcutta-35.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Ref. No. AC-47/Acq.R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12, situated at Chandi Charan Banerjee Lane, Calcutta-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipur on 7-11-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1Kh. 13Ch. 19 Sq. ft. with building situated at 12 Chandi Charan Banerjee Lane, Barahanagar, Calcutta-35 more particularly as per Deed No. 7213 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 6-8-1980
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Sri Dhirendra Nath Ghosh,
Chotonilpur, Burdwan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Santibrata Ghosh,
Chotonilpur, Burdwan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th August 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-48/R-IV/Cal/Acq/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag 1083, situated at Chotonilpur Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Burdwan on 5-12-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 10Kh along with building situated at Chotonilpur, near Vivekananda College, Burdwan, more particularly as per Deed No. 7969 of 1979.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri K. Amirthalingam, S/o Shri Kasi Chettiar, No. 5/4, S.V.A. Extension No. 3, Tiruchengode.
(Transferor)

(2) Shri A. Periasamy, S/o Shri Arasu Chettiar, S.V.A. Extension, Tiruchengode.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 26th July 1980

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 21/DEC/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 79/1C situated at Salem Road, Kailasampalayampatti, Trichengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 200479) on December 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Document No. 2004/79 S.R.O. Tiruchengode.

Land & Rice Mill Buildings in S. No. 79/1C, Salem Road, Kailasampalayampatti, Tiruchengode.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

O. ANANDARAM,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date : 17-7-80

Seal :

2 AUG 1981

